श्रावण कृष्ण पक्ष -अमावस्या, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 45 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
04 अगस्त 2024 रविवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

मुख्यमंत्री ने दिए जांच के निर्देश, परिजनों को आर्थिक सहायता का ऐलान

सागर के पास शिवलिंग बना रहे बच्चों पर गिरी दीवार, 9 की मौत

सागर जिले के शाहपुर का वह स्थान जहां हादसा हुआ.. इसी घटना में नौ बच्चों ने दम तोड़ दिया है।

भोपाल/सागर, दोपहर मेट्रो।

आज सुबह सागर के पास शाहपुर में एक हृदय विदारक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। यहां हरदौल मंदिर में शिवलिंग निर्माण एवं भागवत कथा का आयोजन के तहत सुबह से शिवलिंग बनाए जाने के दौरान जब आठ से 14 साल के बच्चे भी बड़ी संख्या में पहुंचे तभी मंदिर परिसर के बाजू वाली करीब पचास साल पुरानी एक कच्ची दीवार भरभराकर गिर गई। इसमें नौ बच्चों की मौत हुई है व दो गंभीर हैं। मुख्यमंत्री ने घटना की जांच के निर्देश दिए हैं और मृतक बच्चों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की है।

यह दीवार शिवलिंग बना रहे बच्चों के ऊपर सीधी गिरी। इस घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। तत्काल ही दीवार के मलबे को हटाने का कार्य शुरू हुआ तो इसके नीचे और दबे बच्चों को निकाला गया। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद लोग घायलों को लेकर शाहपुर अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन अस्पताल में एक भी डॉक्टर नहीं मिला। केवल एक कर्मचारी यहां मौजूद था। इसको लेकर क्षेत्रवालों ने इस पर नाराजगी जाहिर की। सूचना मिलने पर रहली विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव भी मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि मंदिर परिसर के बाजू में पचास साल पुरानी यह दीवार जर्जर हो चुकी थी। इसके बाद भी इसे गिराया नहीं गया। सागर में इन दिनों भारी वर्षा हो रही है। ऐसे में कच्चे व जर्जर मकानों को खतरा बना हुआ है। मंदिर के पास स्थित भी मिट्टी की दीवार लगातार वर्षा में गिर गई, जिससे यह हादसा हो गया।

पूर्व मंत्री व रहली विधायक गोपाल भार्गव घटनास्थल पर पहुंचे

सहस्त्रबाहु का पराक्रम पाठ्यक्रम में शामिल होगा: सीएम यादव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज जेके मेडिकल कॉलेज सभागार में अखिल भारतवर्षीय हैहय कल्चुरि महासभा के 89 वें स्थापना दिवस समारोह में कहा कि भगवान सहस्त्रबाहु पराक्रम और गौरवशाली इतिहास की जानकारी युवाओं को देने के लिए ई पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाई जायेगी। यादव ने कहा कि सरकार ने सावन और रक्षाबंधन के महीने में पूरे माह रक्षाबंधन मनाते हुए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए हैं। सरकार का अर्थ सिर्फ लॉ एंड ऑर्डर नहीं बल्कि सौहार्द का वातावरण बनाना और संस्कृति के प्रतीक पर्वों त्योहारों को जीवित रखना भी है। इस मौके पर महापौर मालती राय भी मौजूद थीं।

मुख्यमंत्री इस समारोह के बाद शाजापुर दौरे पर रवाना हो गये हैं। जहां वे पं कमलकिशोर नागर के प्रवचन का श्रवण करेंगे। वहीं यादव के संभावित नगर भ्रमण कार्यक्रम को देखते हुए कलेक्टर ऋजु बाफना एवं पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत ने स्थानीय विधायक अरूण भीमावद के साथ जिला चिकित्सालय परिसर में नवनिर्मित मातृ एवं शिशु चिकित्सालय का निरीक्षण किया।

भदभदा व कलियासोत गेट फिर खुले, 10 बांध फुल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

थोडे समय थमने के बाद बेकाबू बरसात ने बीती रात से राजधानी में अफरातफरी मचा दी है। भोपाल में आधी रात के बाद से लगातार बारिश जारी है। रात में ही भोपाल में ढाई इंच पानी गिर गया। मौसम विभाग ने आज दिनभर भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। बारिश के बाद भदभदा डैम के 2 गेट खोल दिए गए है। पहला गेट सुबह 9 बजे और दूसरा 9.30 बजे खोला गया है। वहीं, कलियासोत डैम के 4 गेट फिर खोले गए हैं। आज कोलार डैम के गेट भी खुल सकते हैं।भोपाल में अब तक 30 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। वहीं मप्र में एक्टिव दो बड़े सिस्टम की वजह से विदिशा में

बेतवा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। नर्मदापुरम में तवा डैम के गेट शनिवार रात में बंद किये गये लेकिन पानी का लेवल बढ़ने के बाद आज सुबह 3 गेट 7-7 फीट तक खोल दिए गए। इंदौर समेत 31 जिलों में भी बारिश के आसार हैं। रतलाम, मंदसौर, नीमच और गुना के लिए अति भारी बारिश का रेड अलर्ट है। मप्र के 10 बड़े डैम फुल हो गए हैं।

कश्मीर में बादल फटा: हिमाचल में बादल फटने से आई तबाही के बीच अब जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले के कंगन इलाके में देर रात में बादल फटने से बाढ़ आ गई। इसमें कई गाड़ियां मलबे में दब गईं। घरों को भी नुकसान पहुंचा है। श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे बंद हो गया है। इससे कश्मीर घाटी लद्दाख से कट गई है। पदवबल के पास श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमुरी रोड और अमरनाथ यात्रा के लिए बालटाल बेस कैंप का रास्ता भी बंद हो गया है। कवचरवान, चेरवा और पडबल गांव सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं राजस्थान में भी आज भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है।

वायनाड भूस्खलन में छठे दिन भी मलबे में जिंदगी की तलाश

वायनाड । केरल के वायनाड जिले में 30 जुलाई को मेप्पाडी के पास विभिन्न पहाड़ी इलाकों में आए भूस्खलन ने भारी तबाही से अब तक उबर नहीं सका है। आपदा के कारण अबतक 300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सैकड़ों घायल हैं। भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों चूरलमाला और मुंडक्कई में सेना का राहत व बचाव कार्य छठे दिन भी जारी है। अभी भी मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। वहीं, राज्य के तीन जिलों के लोगों के लिए जीवन रेखा रही चलियार नदी भूस्खलन के बाद से विनाश का प्रतीक बन गई है। केरल के पर्यटन मंत्री पीए मोहम्मद रियास का कहना है कि उत्तरी केरल के भूस्खलन प्रभावित इलाकों में छठे दिन भी बचाव अभियान जारी रहेगा और उन स्थानों पर अधिक बल और उपकरण तैनात किए गए हैं, जहां शवों के बरामद होने की संभावना ज्यादा है।

तनाव चरम पर, बाइडेन ने इजरायली पीएम से कहा बकवास करना बंद करें

नई दिल्ली , एजेंसी।

ईरान की राजधानी तेहरान में हमास के राजनीतिक ब्यूरो प्रमुख इस्माइल हानिया की हत्या के बाद, पश्चिमी एशिया में संघर्ष बढ़ने की आशंका तेज है। इस तनाव के बीच खबर है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से अपनी बातचीत में हानिया के मामले को लेकर नाराजगी जताई है। चैनल 12 न्यूज ने बिना किसी आधिकारिक स्रोत का हवाला दिए अपनी रिपोर्ट में कहा है, 'टेलीफोनिक कंवर्शेसन में बाइडेन ने चिढ़कर नेतन्याहू से कहा- आप मुझसे बकवास करना बंद कीजिए'। बाइडेन की यह टिप्पणी तब आई जब बेंजामिन नेतन्याहू ने उन्हें सूचित किया कि इजरायल हमास के साथ बंधकों के बदले युद्धविराम समझौते पर बातचीत को आगे बढ़ा रहा है और जल्द ही अपना एक प्रतिनिधिमंडल भेजेगा। रिपोर्ट के अनुसार बाइडेन ने यह कहकर नेतन्याहू के साथ अपनी बातचीत समाप्त की कि वह 'राष्ट्रपति को हल्के में न लें।' ज्ञात हो कि हमास और ईरान दोनों ने टारगेटेड अटैक में हानिया की मौत के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है. हालांकि, इजरायल ने न तो इस हमले की जिम्मेदारी ली है और न ही इससे इनकार किया है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसा, ट्रक में घुसी कार; चार मौत

सवाई माधोपुर , एजेंसी।

राजस्थान के सवाई माधोपुर में बड़ा दर्दनाक सडक हादसे का मामला सामने आया है। यहां दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर ऋषिकेश से लौट रहे एक परिवार की कार ट्रक में घुस गई। इस हादसे में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर कार आगे चल रही थी। तभी पीछे से आ रहा ट्रक बेकाबू होकर कार में घुस गया। हादसे के बाद भी ट्रक चालक करीब एक किलोमीटर तक कार को घसीटता हुआ ले गया। इसके बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। हादसा इतना जबर्दस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार में सवार लोगों शव बुरी तरह चिपक गए।

निशांत के साथ ओलंपिक में जजों ने की चीटिंग, स्कोरिंग पर उठे सवाल

पेरिस, एजेंसी।

भारतीय बॉक्सर निशांत देव का पेरिस ओलंपिक में सफर क्वार्टर फाइनल की हार के साथ खत्म हो गया है लेकिन अब कई नये विवाद शुरू हो गये हैं। 71 किग्रा कैटेगरी में निशांत को मेक्सिको के मार्को वर्डे अल्वारेज के खिलाफ करीबी मुकाबले में हार झेलनी पड़ी थी। अब कहा जा रहा है कि इसमें जजों ने गडबडी की। निशांत भारत के लिए पदक पक्का करने से बस एक जीत दूर थे। मैक्सिको के बॉक्सर ने इस क्वार्टर फाइनल मुकाबले को 4-1 से जीतकर पेरिस ओलंपिक में अपना मेडल पक्का कर दिया। 23 वर्षीय विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता निशांत देव ने 2021 विश्व चैंपियनशिप में अल्वारेज हराया था। निशांत ने पहले राउंड में जीत हासिल की। दूसरे राउंड में भी बाउट पर उनका पूरा नियंत्रण दिख रहा था। उन्होंने मैक्सिकन मुक्केबाज पर कई जोरदार जैब हुक लगाए, फिर भी जजों ने आश्चर्यजनक रूप से उस राउंड में अल्वारेज के पक्ष में फैसला दिया और वह 3-1 से आगे हो गए। अल्वारेज ने अंतिम राउंड की शुरुआत आक्रामक तरीके से करते हुए कई मुक्के लगाए। भारतीय मुक्केबाज ने उनमें से कुछ को चकमा भी दिया। बीजिंग ओलंपिक में मेडल जीतने वाले बॉक्सर विजेंदर सिंह ने एक्स पर लिखा- मुझे नहीं पता कि स्कोरिंग सिस्टम क्या है लेकिन मुझे लगता है कि यह बहुत करीबी मुकाबला होगा। वह बहुत अच्छा खेलते हैं, कोई ना भाई।

आज लक्ष्य व लवलीना से पदक की उम्मीदें

पेरिस ओलंपिक मे आज भारतीय खिलाड़ी एक्शन में हैं व बैडमिंटन, हॉकी, शूटिंग, बॉक्सिंग, गोल्फ, सेलिंग जैसे इवेंट्स में अपनी चुनौती पेश कर रहे हैं। बैडमिंटन में लक्ष्य सेन सेमीफाइनल मुकाबला खेलेंगे। लक्ष्य यदि मैच जीते तो सिल्वर मेडल पक्का हो जाएगा। लक्ष्य का सामना डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन से है। वहीं भारतीय हॉकी टीम ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ अंतिम-8 मुकाबले में खेल रही। मैच जीतने पर वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन भी क्वार्टर फाइनल में चीनी खिलाड़ी लि कियान का सामना करेंगी।

रातभर में राजधानी में ढाई इंच बरसात

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में आधी रात से जारी तेज बारिश के दौर ने पूरे शहर में अफरातफरी मचा दी है। कल जब दिनभर तेज बरसात नहीं हुई और शाम को हल्की धूप निकली तो लोगों ने राहत की सांस ली थी लेकिन रात बारह बजे से बारिश ने मुश्किलें पैदा कर दी हैं। इस भारी बारिश का अलर्ट भी था। इस कारण कई इलाकों में जलभराव भी हो गया। पुराने शहर के छोला समेत अन्य इलाकों में एक फीट तक पानी जमा रहा। रात में ही भोपाल में ढाई इंच पानी गिर गया। अगस्त के लगातार चौथे दिन रविवार सुबह से बारिश का दौर जारी है। कोलार स्थित भूमिका रेसीडेंसी के गेट के पास की नदी किनारे की मिट्टी ढह गई। वहीं गेट पर दरारें आ गई। इसके चलते लोगों को अलर्ट किया गया है।

सावन की जोरदार बरसात ने राजधानी की रंगत बदल दी है। बड़ा तालाब, भदभदा, कलियासोत डैम पूरी तरह से लबालब हो गए हैं। इनके जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए कल से ही डैम के गेट खोलना शुरू किए गए थे।कलियासोत डैम के गेट पूरे 34 घंटे तक खोले गए।

जलाशय	जलस्तर	वर्तमान जलस्तर
बड़ा तालाब	1666.80	1666.40 फीट
कलियासोत	505.67	502.65 मीटर
केरवा	509.93	509.14 मीटर
कोलार	462.20	459.00 मीटर

जिससे लगभग 31 मीट्रिक क्यूविक मीटर (एमसीएम)पानी छोड़ा गया है। इसी तरह बड़ा तालाब का जलस्तर नियंत्रित करने पर भदभदा डैम के गेट खोले गए थे। आज तेज वर्षा की वजह से कोलांस नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। इस वजह से बड़ा तालाब लबालब हो रहा है। ज्ञात हो कि शुक्रवार सुबह 9.10 बजे भदभदा डैम का पहला गेट खोला गया था।कोलांस नदी से लगातार पानी आने के चलते एक -एक कर 11 में से सात गेट खोले गए थे।यह गेट शनिवार दोपहर तीन बजे तक यानि 30 घंटे तक खुले रहे। जो सुबह फिर खोलने पड़े।

शाहपुरा : जर्जर सड़कों की समस्या

बारिश के पानी से भरे गड्ढे में एक युवक की डूबने से मौत, जांच के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने भोपाल सहित प्रदेशभर के दस मामलों में संज्ञान लिया है।पहला मामला भोपाल में बारिश के पानी से भरे गड्ढे में एक युवक की डूबने से मौत होने का है। मामले में आयोग ने कलेक्टर एवं मध्य रेल प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलव को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मृतक के

उत्तराधिकारियों को शासन की नियमानुसार देय आर्थिक मुआवजा राशि तथा घटना स्थल पर जन सुरक्षा के लिए किए गए सुरक्षा उपायों के सम्बन्ध में प्रतिवेदन एक माह में मांगा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि भोपाल शहर के रेलवे स्टेशन से थोड़ी दूर पश्चिमी निशातपुरा रेलवे कॉलोनी में री-डेवलपमेंट के लिए खोदे गये गड्ढे में डूबने से एक युवक की मृत्यु होने की घटना सामने आई है।

बीएमएचआसी में हार्ट वाल्व रिपेयर करने की सुविधा शुरू

64 वर्षीय महिला का वाल्व रिपेयर किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हार्ट वाल्व से संबंधित बीमारियों के मरीजों के लिए हार्ट रिपेयर सर्जरी भी अब बीएमएचआरसी में शुरू हो गई है। हाल ही में अस्पताल के कार्डियो-थोरासिक एवं वस्कुलर सर्जरी विभाग के डाक्टरों ने एक 64 वर्षीय गैस पीड़ित महिला का निश्शुल्क हार्ट वाल्व रिपेयर किया है। यह मरीज अब स्वस्थ है और उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। बीएमएचआरसी के सीटीवीएस विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर गिरिराज गर्गका कहना है कि महिला रुमैटिक हार्ट नामक बीमारी से पीि?त थी, जिसके कारण उन्हें चलने-फिरने पर सांस फूलती थी। अस्पताल में हुई जांच में यह पता चला कि महिला के हृदय में स्थित माइट्रल वाल्व सिकु? गया है, जिसकी वजह से हार्ट में रक्त का प्रवाह बाधित हो रहा है। सर्जरी के माध्यम से ही इस समस्या को ठीक किया जा सकता था।आपरेशन के दौरान हार्ट का वाल्व देखकर यह तय किया कि वाल्व बदलने के बजाय रिपेयर करना अच्छा विकल्प है।

उन्होंने बताया कि वाल्व रिप्लेसमेंट के बाद मरीज को लंबे समय तक खून पतला करने की दवाएं खाना पड़ती हैं, जबकि वाल्व रिपेयर प्रक्रिया में मरीज की दवाओं पर निर्भरता कम हो जाती है,। हालांकि वाल्व रिप्लेसमेंट के मुकाबले वाल्व रिपेयरमेंट करना कठिन है। इसमें समय अधिक लगता है, और इसे करने के लिए लंबा अनुभव और विशेष कौशल की आवश्यकता होती है। इसी वजह से अस्पतालों में वाल्व रिपेयरमेंट के मुकाबले वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी ज्यादा होती है।

बीईओ ने किया स्कूलों का औचक निरीक्षण, उपस्थिति मिली कम

बीईओ ने लगाई फटकार, उपस्थिति 100 फीसदी करने के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल जिले के फंदा विकासखंड शिक्षा अधिकारी विजेता सूर्यवंशी के द्वारा सरकारी स्कूलों को औचक निरीक्षण किया गया।?बीईओ ने शासकीय जहांगीरिया उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय कन्या विद्यालय हमीदिया क्रमांक 1, शासकीय कन्या विद्यालय हमीदिया क्रमांक 2, मॉडल शाहजहानाबाद, शासकीय हमीदिया बालक उच्चतर माध्यमिक गिन्नौरी, एवं सुल्तानिया स्कूल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सभी स्कूलों में विद्यार्थियों की उपस्थित बहुत कम पाई गई। जिसके बाद सभी प्राचार्य एवं शिक्षकों को विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा 100 प्रतिशत उपस्थिति के लिए अभिभावकों से संपर्क करने एवं विद्यार्थियों को मोटिवेट करने के निर्देश दिए गए। विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी विद्यालयों को आईसीटी लैब बेहतर उपयोग एवं विद्यालय परिसर को स्वच्छ रखने के निर्देश दिए गए।

कमजोर विद्यार्थियों के लिए लगेंगी अलग से कक्षाएं-

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अब कमजोर विद्यार्थियों के लिए अलग से कक्षाएं लगाई जाएंगी। इसको लेकर विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।स्कूल शिक्षा विभाग राज्य ओपन बोर्ड के साथ मिलकर काम करेगा। विशेष रूप से कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों के लिए यह व्यवस्था लागू की जाएगी। इन विद्यार्थियों के साप्ताहिक और मासिक टेस्ट भी लिए जाएंगे। ताकि कमी को दूर करने पर फोकस किया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं कक्षा का परिणाम सुधारना है। 10वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम सुधारने के लिए नौवीं कक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।यह व्यवस्था ऐसे स्कूल में शुरू होगी जहां 30 से अधिक विद्यार्थी फेल हुए हैं।

मेट्रो एंकर

मिठी स्कूल छात्र परिषद के पदाधिकारियों ने ली शपथ

निर्वाचित पदाधिकारी विद्यालय का आदर्श:सिद्धभाऊजी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

शहीद हेमू कालानी एज्युकेशन सोसायटी द्वारा संचालि मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में छात्र परिषद का गठन किया गया, निर्वाचित छात्रों ने अपने पद की शपथ दिलाई गई। संस्था प्रमुख सिद्धभाऊजी समारोह में शामिल हुए। भाऊजी ने कहा कि परिषद के पदाधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वाहन ईमानदारी और समर्पण के साथ करें। विद्यालय परिसर में अनुशासित एवं स्वस्थ वातावरण निर्मित करने की जिम्मेदारी निभाएं। पदाधिकारी विद्यालय रूपी जहाज के कैप्टन हैं। निर्वाचित छात्र परिषद के सदस्य विद्यालय का आदर्श हैं। आपका व्यवहार, चरित्र, अनुशासन एवं अध्ययनशीलता ही अन्य विद्यार्थियों की प्रेरणा बनेगी। संस्था सचिव घनश्याम बूलचंदानी, सह-सचिव केएल रामनानी, संस्था सदस्य हीरो केसवानी, कोऑर्डिनेटर, शिक्षकगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने नवनिर्वाचित छात्र परिषद को बधाई दी। द्यालय प्राचार्य अजय बहादुर सिंह ने शपथ दिलाई। विद्यालय कैप्टन कृष्णा सीतलानी ने आगामी कार्य योजना व कर्तव्यनिष्ठा के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। विद्यार्थियों द्वारा गीतों के माध्यम से नवनिर्वाचित सदस्यों को उनके कर्तव्यपथ की ओर उन्मुख किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय शिक्षिका मरियम रईस ने किया। वाइस कैप्टन मोहित ने आभार व्यक्त किया।

यह हैं छात्र परिषद के सदस्य: कृष्णा सीतलानी (स्कूल कैप्टन), मोहित दे (स्कूल वाइस कैप्टन), नमन कल्याणे (प्रिफेक्ट प्लानिंग एंड कॉर्डिनेशन), आदित्य जनियानी (वाइस प्रिफेक्ट प्लानिंग एंड कॉर्डिनेशन ङ्क को करिकुलर), जतिन माखिजानी (वाइस प्रिफेक्ट प्लानिंग एंड कॉर्डिनेशन - अकादमिक), समीर सिद्दिकी (प्रिफेक्ट स्पोर्ट्स), युवराज भारती (वाइस प्रिफेक्ट स्पोर्टस), प्रज्वल कुमार हेमनानी (प्रिफेक्ट कल्चरल), वेदान्त शर्मा (वाइस प्रिफेक्ट कल्चरल), तरूण सावनानी (प्रिफेक्ट डिसिप्लिन), दक्ष केसवानी (वाइस प्रिफेक्ट डिसिप्लिन), अवनीश जोशी (प्रिफेक्ट लिटरेरी), निखिल मंगलानी (वाइस प्रिफेक्ट लिटरेरी), शाश्वत जैन (प्रिफेक्ट सांइस), तुषार गोलानी (वाइस प्रिफेक्ट सांइस), प्रियंक सिंह गुर्जर (प्रिफेक्ट आई.टी.), गुलशन आसवानी (वाइस प्रिफेक्ट आई.टी.), अंशुल कुमार संतलानी (प्रिफेक्ट कॉमर्स), उज्ज्वल मंगतानी (वाइस प्रिफेक्ट कॉमर्स), कुणाल रामनानी (प्रिफेक्ट आर्ट्स एंड क्राफ्ट), जय खूबचंदानी (वाइस प्रिफेक्ट आर्ट्स एंड क्राफ्ट), आशीष धाकड़ (कैप्टन - साधु वासवानी हाउस), ओम चांदवानी (वाइस कैप्टन - साधु वासवानी हाउस)।

हरियाली अमावस्या पर तुलसी शमी एवं बेल पत्र के पौधे बांटे

हिरदाराम नगर। बजरंग सेना समिति द्वारा हरियाली अमावस्या के उपलक्ष्य में तुलसी माता शमी एवं बेल पत्र के पौधे लाइफ लाइन पब्लिक स्कूल में शिक्षकों और छात्रों को वितरण किया स्कूल प्रिंसिपल किरण वाधवानी ने समिति के कार्यों की प्रशंसा की। पंडित राज कुमार गर्ग ने बताया हर घर में शम्मी का पोधा होना चाहिए। शम्मी से भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं। कमलेश दीवानी ने बताया कि जिस घर में तुलसी पोधा होता है वहां पर किसी भी तरह की बीमारी नहीं होती है हर घर में तुलसी का एक पौधा जरूर लगाएं इस अवसर पर बजरंग सेना समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी अर्चक पुरोहित पंडित राज कुमार गर्ग महासचिव राजेश केवलानी सचिव गुरदास रामचंदानी एवं स्कूल स्टाफ उपस्थित थे।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की कार्यशाला में सीएम ने कहा

कोई बच्चा स्कूल जाने से नहीं छूटेगा: मुख्यमंत्री यादव

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कोई भी बच्चा स्कूल जाने से नहीं छूटेगा। सरकार इस दिशा में काम कर रही है और आगे भी मजबूती से करती रहेगी। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक बच्चों को प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा मिलती रहे, यह मप्र के विकास के लिए भी जरुरी है। यह बात सीएम डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को कही। वह राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। आयोग ने भोपाल में यह कार्यशाला बुलाई, जिसमें ड्राप आउट करने वाले बच्चों से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञों ने अपनी-अपनी बात रखी। मप्र के अधिकारी भी इस कार्यशाला का हिस्सा बने।

सीएम ने सुनाए प्रसंग

सीएम ने कुछ प्रसंग सुनाई। बताया कि आदिकाल से भारत का अपना विशेष चरित्र और आदर्श संस्कृति रही है, इसलिए भारत विश्व गुरु कहलाया। यहां 卐जियो और जीने दो卐 के सिद्धांत के साथ सभी के कल्याण की कामना की जाती रही हैं।
— भगवान श्रीकृष्ण ने प्रदेश की धरती पर शिक्षा ग्रहण की और महाभारत के युद्ध के समय वे स्वयं अपनी आत्मा से शास्त्रार्थ करते रहे।

मजदूर व उनके बच्चों के लिए काम कर रहे – मंत्री प्रहलाद पटेल

श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार मजदूरों व उनके बच्चों के समग्र विकास के लिए लगातार काम कर रही है। आवासीय विद्यालय में पढ़ने वाले वंचित वर्गों के बच्चों को पढ़ाई के लिए सभी संसाधन उपलब्ध कराये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश ऐसा राज्य बनेगा, जहां कोई भी बाल श्रमिक नहीं रहेगा। इसके लिए शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी सभी सरकारी एजेंसी, स्वयंसेवी संगठन और इस विषय के विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी। हमारी कोशिश होगी कि वंचित वर्ग और श्रमिकों के बच्चे जो बीच में शाला जाना बंद कर देते हैं उनको पुन- शाला पहुंचाएं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने कहा कि शिक्षा पूरी पीढ़ी को बदलने का कार्य करती है। विपरीत परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों को मुख्यधारा में लाना महत्वपूर्ण है। अभिभावकों द्वारा रोजगार के लिए अन्य राज्यों में जाने पर बच्चों की शिक्षा में बाधा उत्पन्न होती थी। अब अन्य राज्यों में भी हिन्दी में विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध करवाई जाती हैं। किसी बच्चे के 30 दिन विद्यालय में अनुपस्थित रहने पर इसका कारण ज्ञात कर समाधान के प्रयास किए जा रहे हैं।

ये थे कार्यशाला में मौजूद: श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल, मप्र बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष द्रविन्द्र मोरे और राष्ट्रीय बाल आयोग की सदस्य सचिव रूपाली बैनर्जी समेत अन्य मौजूद थे। कार्यशाला में मध्यप्रदेश समेत छत्तीसगढ़, दादर नगर हवेली-दमन-दीव, गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा के प्रतिभागियों ने भी हिस्सा लिया।

पूर्व कांग्रेस विधायक वानखेड़े व प्रवक्ता विवेक को 2 साल की सजा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस के पूर्व विधायक विपिन वानखेड़े और पार्टी के प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी को एमपी-एमएलए कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। 8 साल पुराने प्रदर्शन के एक मामले में दोनों नेताओं को दो साल की सजा सुनाई गई है। शनिवार को एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश स्वयं प्रकाश दुबे ने 8 साल पुराने केस में वानखेड़े, त्रिपाठी, हृस्ढ्ढ के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे और आकाश चौहान, धनजी गिरी को 2 साल की सजा और 11-11 हजार जुर्माना लगाया।

दरअसल, एनएसयूआई में रहते हुए साल 2016 में सभी नेताओं ने व्यापम घोटाले को लेकर सीएम हाउस का घेराव किया था। उसके बाद हबीबगंज पुलिस ने आईपीसी की धारा 353, 326, 333, 147 में मामला पंजीबद्ध किया गया था। हालांकि न्यायालय ने इस मामले में सभी आरोपियों को 30-30 हजार रुपए के मुचलके पर जमानत दी है। कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि हम न्यायालय के फैसले का सम्मान करते हैं। यह भाजपा सरकार के

एमपी-एमएलए कोर्ट ने 11-11 हजार का जुर्माना भी लगाया*

व्यापम घोटाले को लेकर 2016 में किया था सीएम हाउस का घेराव

चित्र आठ साल पुराने प्रदर्शन का

प्रतिशोध वाली घटिया राजनीति का एक उदाहरण है। छात्र हितों में लड़ाई लड़ने पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दिया जाता है।

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष सतीश शर्मा विभिन्न मांगों के निराकरण के लिए सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने पत्रकार वार्ता में बताया अपनी विभिन्न मांगों के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को पत्राचार के माध्यम से अवगत कराया जा चुका हैं। जल्द ही अगली रणनीति पर विचार किया जाएगा। इस मौके पर धर्मेंद्र सिंह शिवपुरी हरीश नामदेव मंदसौर राम रतन तोमर अनीता सारस्वत अनेक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बाघों को सुरक्षित जमीन देने वाले वन्यप्राणी विशेषज्ञ दत्ता नहीं रहे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बाघों के लिए मप्र में सुरक्षित जंगल देने वाले पहले प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं देशभर के वरिष्ठ वन्यप्राणी विशेषज्ञों में से एक जेजे दत्ता नहीं रहे। भोपाल निवासी दत्ता का शनिवार निधन हो गया। रविवार उनका अंतिम संस्कार किया गया। दत्ता ने मप्र ही नहीं, बल्कि देशभर में वन्यप्राणियों के संरक्षण की दिशा में अनेकों काम किए और अनुसंधानों को आगे बढ़ाया। खासकर बाघों के संरक्षण के लिए उन्होंने अनेकों अनेक वैज्ञानिक प्रयास किए, जिसका परिणाम है कि आज मप्र टाइगर स्टेट है तो दूसरे राज्यों में भी बाघों का कुनबा बढ़ता जा रहा है। जब मप्र में वन विभाग अस्तित्व में आया, तब जेजे दत्ता ही विभाग के मुखिया बनाए गए। इस लिहाज से उन पर वनों क्षेत्रों को सुरक्षित करने और उन क्षेत्रों को वन्यप्राणियों को सुरक्षा देने की महती जिम्मेदारी थी। इस दिशा में उन्होंने काम किया और जबलपुर में राज्य वन अनुसंधान केंद्र की नींव रखी। यहीं नहीं, उन्होंने वन विभाग के अंदर ही वन्यप्राणियों के संरक्षण के लिए वन्यप्राणी शाखा को भी मजबूत बनाया। इन कामों के लिए जेजे दत्ता को वन्यजीव संरक्षण और अनुसंधान द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से किया था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व वनमंत्री रामनिवास रावत समेत उन्हें जानने वालों ने उनके निधन पर दुःख व्यक्त किया है।

भारतीय वन्यजीव संस्थान में भी सेवाएं दे चुके थे दत्ता: उल्लेखनीय है कि जेजे दत्ता को प्रदेश में एक मजबूत वन्यजीव शाखा की स्थापना का श्रेय जाता है। तब वह प्रधान मुख्य वन संरक्षक थे। यही नहीं, एक समर्पित और प्रशिक्षित कार्यबल के साथ राज्य के विभिन्न जैव-भौगोलिक क्षेत्रों में समृद्ध और विविध संरक्षित क्षेत्रों का एक नेटवर्क बनाने में भी उन्होंने कई काम किए। राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर की स्थापना उनके वैज्ञानिक स्वभाव का प्रतीक रहा। वन्यजीव संरक्षण से जुड़े उनके कई काम मप्र समेत अन्य राज्यों द्वारा अपनाए गए। उन्होंने लंबे समय तक भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून की संकाय चयन समिति की अध्यक्षता की।

इंजीनियरिंग कॉलेजों के 20 से अधिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग

70 हजार सीटों पर जेईई मेन्स की मेरिट के अनुसार होंगे प्रवेश, कल सीटों का आवंटन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के 139 इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग की ओर से काउंसलिंग कराई जा रही है। इन कॉलेजों के 20 से अधिक पाठ्यक्रमों की 70 हजार सीटों पर जेईई मेन्स की मेरिट के अनुसार प्रवेश लिए जाएंगे। विभाग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, 5 अगस्त को सीटों का आवंटन किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, पहले जेईई (मेन) की मेरिट के तहत 31 हजार विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है। सबसे ज्यादा कंप्यूटर साइंस (सीएस) ब्रांच की 20 हजार सीटें हैं। विद्यार्थियों ने सबसे ज्यादा सीएस के लिए ही पंजीयन किए हैं। भोपाल के इंजीनियरिंग कालेजों में लगभग 25 हजार सीटें हैं। इमर्जिंग एरिया ब्रांच में भोपाल में करीब छह हजार सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। एआईएमएल में सबसे ज्यादा 825 सीटें इमर्जिंग एरिया की ब्रांच में सबसे ज्यादा एक हजार 837 सीट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग (।प्डस्) पाठ्यक्रम की है। इसके बाद डाटा साइंस में 825, साइबर सिक्योरिटी में 487, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डाटा साइंस में 412, कंप्यूटर साइंस एंड बिजनेस सिस्टम में 337, इंटरनेट ऑफ थिंग्स पाठ्यक्रम में 225 और रोबोटिक्स एंड आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस में 37 सीटें हैं।

डीएलएड में प्रवेश के लिए एक और चरण की काउंसलिंग शुरू

डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डीएलएड) की सीटों पर प्रवेश के लिए राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित काउंसलिंग में तीन चरण हो चुके हैं। अब 34 प्रतिशत खाली सीटों के लिए एक और चरण की काउंसलिंग शुरू की जाएगी। राज्य शिक्षा केंद्र की तरफ से नया समय-सारिणी जारी की गई है। फिर से एक और चरण की काउंसलिंग होने से विद्यार्थियों को राहत मिल गई है। विद्यार्थी पांच अगस्त तक नए पंजीयन व च्वाइस फिलिंग करवा सकेंगे, जबकि पहले पंजीयन करवा चुके विद्यार्थी दोबारा च्वाइस फिलिंग करवा सकेंगे। प्रदेशभर में कुल 17000 सीटें खाली हैं। हालांकि सीटों का कब आवंटन होगा इसकी तारीख नहीं दी गई है।

12वीं के आधार पर प्रवेश के लिए भी पंजीयन शुरू

इधर 12वीं के आधार पर प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए भी पंजीयन शुरू हो गए हैं। इनकी सीटें 28 अगस्त को आवंटित की जाएंगी। अब तक 12वीं की मेरिट के आधार पर प्रवेश लेने के लिए 8,969 विद्यार्थी पंजीयन करा चुके हैं।

वनोपज संघ में अब अनुकंपा नियुक्ति और उपादान के आदेश जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लघु वनोपज सहकारी संघ की प्राथमिक वनोपज समितियो में कार्यरत 50 हजार प्रबंधकों की मृत्यु के उपरांत उनके परिवार को अनुकंपा नियुक्ति का लाभ मिलेगा साथ ही 1 लाख रुपए का उपादान का लाभ भी मिलेगा। इस संबंध में सहकारिता विभाग ने जारी कर दिए हैं। बताया जाता है कि लघु वनोंपज संघ के प्राथमिक वनोपज समितियां के प्रबंधकों को कम वेतन में समितियां का संचालन करना पड़ता है। संघ के गठन 1986 से प्रबंधक अनुकंपा नियुक्ति एवं उपादान तथा वेतन वृद्धि की मांग कर रहे थे 26 साल बाद सरकार ने प्रबंधकों की मांग को मंजूर किया। तेंदूपत्ता सीजन में प्रबंधक लाखों वनोपज समितियां में दिन रात मेहनत करके अरबों का तेंदूपत्ता संग्रहण करके सरकार को करोड़ों रुपए का राजस्व का लाभ देते हैं लेकिन सरकार प्रबंधकों की अधिकारों को संज्ञान में अभी तक नहीं ले रही थी। लंबे समय बाद पहली बार अनुकंपा एवं उपादान का लाभ देने का निर्णय लिया है। वहीं मप्र कर्मचारी मंच ने लघु वनोपज संघ के प्रबंधकों को अनुकंपा नियुक्ति एवं उपादान का लाभ देने के लिए राज्य सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किया। अध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा है कि भीषण महंगाई एवं प्रबंधकों की लंबी सेवाकाल को देखते हुए वेतन वृद्धि का भी निर्णय तत्काल लिया जाए।

मप्र अंगदान के लिए 'बेस्ट इमर्जिंग स्टेट' पुरस्कार से सम्मानित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश को अंगदान प्रथा को बढ़ावा देने के लिए 'बेस्ट इमर्जिंग स्टेट' का पुरस्कार प्राप्त हुआ है। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली में आयोजित 14वें भारतीय अंगदान दिवस समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया। मप्र में 60 ब्रेन डैड कैडेवरिक दान सफलतापूर्वक पूरे हुए हैं।

मेट्रो एंकर उच्च शिक्षा और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के बीच हुआ एमओयू

शिक्षा में भारतीयता के भाव, नैतिक और पारंपरिक मूल्यों के समावेश की आवश्यकता: मंत्री परमार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास दिल्ली (मध्य प्रांत) द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में भारत केंद्रित और विद्यार्थी केंद्रित शिक्षा को लेकर आयोजित दो दिवसीय अभ्यास मंथन का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास दिल्ली के मध्य उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास की कार्ययोजना पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) निष्पादित हुआ। इस एमओयू का उद्देश्य समाज को, भारत की प्राचीन ज्ञान परम्परा के आधार पर आधुनिक वैश्विक मूल्यों और गतिविधि आधारित, नैतिक अनुभवात्मक, भारत केंद्रित एवं विद्यार्थी केंद्रित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि भारत केंद्रित शिक्षा से ही, भारतीय समाज के प्रश्नों का समाधान संभव है। शिक्षा में भारतीयता के भाव, नैतिक और पारंपरिक मूल्यों के समावेश की आवश्यकता है। इसके लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परम्परा समावेशी शिक्षा के विविध संदर्भों पर व्यापक विचार विमर्श हो रहा है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण

मंत्री परमार ने कहा कि श्रेष्ठ नागरिक निर्माण के लिए, भारतीय ज्ञान परम्परा समावेशी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। परमार ने कहा कि प्रदेश, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने में देश भर में अग्रणी रहा है और इसके क्रियान्वयन में तीव्र गति से कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश, शिक्षा में भारतीय ज्ञान परम्परा का समावेश करने में भी देश भर में अग्रणी भूमिका में होगा। इस पुनीत कार्य में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास निःस्वार्थ भाव से अपनी सहभागिता कर रहा है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में न्यास का योगदान उल्लेखनीय है।

जैसा नागरिक और राष्ट्र निर्माण करना है, वैसी शिक्षा देनी होगी: कोठारी

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने कहा कि जैसा नागरिक और राष्ट्र निर्माण करना है, वैसी शिक्षा देनी होगी। देश की नींव शिक्षा है और समाज के हर परिवार से जुड़ा विषय है। कोठारी ने कहा कि मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू करने में अग्रणी राज्य है और भारतीय ज्ञान परम्परा समावेशी शिक्षा में भी अग्रणी राज्य बनेगा।

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 04 अगस्त, 2024 epaper.dopaharmetro.com

प्रतिस्पर्धा: हमेशा शीर्ष पर बने रहने की चाहत क्यों?

प्रतिभाशाली लोगों को चुकानी पड़ती है कीमत

■ रामचंद्र गुहा

संयुक्त राज्य एक ऐसा देश है, जिसे मैं अपने देश के अलावा बेहतर ढंग से जानता हूं। मैं पहली बार वहां 38 साल पहले गया था। उसके बाद से कई बार आना-जाना हुआ। अमेरिका की मेरी आखिरी यात्रा 2023 में हुई, जब जो बाइडन राष्ट्रपति थे। मैंने तब करीब तीन सप्ताह वहां बिताए थे। तब अपने दोस्तों से बात करने और मेरे अपने आकलन से यह स्पष्ट था कि राष्ट्रपति ने अपने पद पर रहते हुए अमेरिका के लोगों के लिए बहुत अच्छे काम किए, जिससे उन्हें डोनाल्ड ट्रंप द्वारा किए जा रहे ध्रुवीकरण को पीछे छोड़ने में मदद मिली। फिर भी मुझे लगता था कि अपनी उम्र और कमजोरियों को देखते हुए बाइडन को दूसरे कार्यकाल के बारे में न सोचकर अपनी पार्टी को समय रहते बेहतर उम्मीदवार चुनने के बारे में बता देना चाहिए।ट्रंप के साथ बहस में खराब प्रदर्शन के बाद उन पर डेमोक्रेटिक दानदाताओं, कांग्रेसियों और सीनेटरों द्वारा उम्मीदवारी छोड़ने का दबाव बढ़ने लगा था। यह बात दुखद है कि बाइडन ने संकेतों पर ध्यान न देते हुए दूसरे कार्यकाल के बारे में सोचा।

सर्वेक्षणों में भी उन्हें अपने प्रतिद्वंद्वी से पिछड़ते हुए दिखाया गया था, हालांकि बाइडन ने कई सप्ताह तक कड़ी मेहनत की, जब तक कि उन्हें उम्मीदवारी छोड़ने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ा।अपने पद से चिपके रहने की मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति की हताशा व्यक्तिगत नहीं थी। यह एक संकेत है कि हर देश में सत्ता का सुख भोगने वाले और व्यावसायिक तौर पर सफल व्यक्ति किस तरह से व्यवहार करते हैं। यहां तक कि उस समय भी, जब वे शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर हो गए हों। ऐसे में ये लोग उन संस्थानों, समाज को नुकसान पहुंचाने लगते हैं, जिनकी वे सेवा करते हैं।

भारतीय परिप्रेक्ष्य में क्रिकेट के प्रशंसक इस तरह की घटनाओं से भली-भांति अवगत हो सकते हैं। जब कोई खिलाड़ी पैंतीस साल से ऊपर होता है तो उसके लिए पहले जैसा प्रदर्शन कर पाना मुश्किल होता है। उनमें से कुछ ही इन संकेतों को पहचान पाते हैं। सुनील गावस्कर इसके एक अपवाद हैं, जिन्होंने विश्व कप में शानदार बैटिंग करने के बाद खेल छोड़ दिया था। उनके सबसे अच्छे साथी गुंडप्पा विश्वनाथ को सही मायनों में बहुत पहले सेवानिवृत्त हो जाना चाहिए था। कपिल देव और सचिन तेंदुलकर भी काफी लंबे समय तक खेलते रहे। देखा जाए तो हर मामले में, चाहे वह सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने का हो या सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने का, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को टीम से ऊपर रखा गया। युवाओं को आगे बढ़ने देने के बजाय यह जो शीर्ष पर रहते हुए शक्ति का उपयोग करने की इच्छा है, यह खेल और राजनीति के बहुत आगे है। हमारे बहुत से उद्यमियों ने अपने द्वारा स्थापित निकायों को निर्देशित कर अपने पिछले योगदानों को कम कर दिया, जबकि उन्हें अपने से अधिक सक्षम युवाओं को यह मौका देना चाहिए था। हर कीमत पर लंबे समय तक शीर्ष पर बने रहने की इच्छा दुनियाभर में पाई जाती है। इस तरह की इच्छा बौद्धिक जीवन को भी प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए, मुंबई से प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा वाली पत्रिका 'इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली' (ईपीडब्ल्यू) को ले सकते हैं।

यह एक ऐसी पत्रिका थी, जिसे भारत और दुनिया का हर विद्वान पढ़ने और छापने के लिए उत्सुक रहता था। पत्रकारों, नौकरशाहों और कार्यकर्ताओं ने भी ईपीडब्ल्यू में उतनी ही दिलचस्पी दिखाई, जितनी कि विद्वानों और शोधकर्ताओं ने। फिर भी हाल के कुछ सालों में पत्रिका की साख में गिरावट आई है। कभी भारतीय नेताओं की बहस का विषय तय करने वाली पत्रिका में अब कुछ ही अवसरों पर सार्थक और सशक्त निबंध छपते हैं। यह अब अपने पूर्व स्वरूप की धुंधली छाया बनकर रह गई है। ईपीडब्ल्यू में आई गिरावट दूसरे बौद्धिक संस्थान बेंगलुरु के राष्ट्रीय जैविक विज्ञान केंद्र (एनसीबीएस) के स्व-नवीनीकरण के बिल्कुल विपरीत है, जिससे मैं परिचित हूं। एनसीबीएस टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च की एक शाखा है, जिसकी स्थापना 1940 के दशक में मुंबई में की गई थी। अपने पहले डेढ़ दशक में इस शाखा पर भौतिक वैज्ञानिकों और गणितज्ञों का वर्चस्व रहा। हालांकि 1960 के दशक में इस शाखा ने एक प्रतिभाशाली युवा जीव विज्ञानी ओबैद सिद्दीकी को भर्ती किया, जिन्होंने 20 साल तक शाखा के मुख्य परिसर में अपनी सेवाएं दीं और वह एक नया जैविक अनुसंधान केंद्र की स्थापना करने के लिए बेंगलुरु चले गए। एनसीबीएस के बारे में मुझे सबसे अच्छी बात लगती है कि यह किसी भी भारतीय शैक्षणिक संस्थान की तुलना में सबसे कम पदानुक्रमित संस्थान है। यह कॉलेजियम और खुले बौद्धिक आदान-प्रदान की भावना से भरा हुआ है, जो वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान करने वाले ज्यादातर केंद्रों में नहीं है। आईआईटी में तो यह बिल्कुल नहीं है। यहां निदेशक अपने युवा सहकर्मियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते हैं, जो उनसे ज्यादा बेहतर शोध कर सकते हैं। ओबैद सिद्दीकी को बेहद करीब से देखने के बाद मेरे मन में इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं रह गया कि उन्होंने इस लोकतांत्रिक और भागीदारी वाले लोकाचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जैसे ही निदेशक के तौर पर ओबैद सिद्दीकी का कार्यकाल पूरा हुआ, वे एनसीबीएस की डोर युवा हाथों में सौंपकर अपने शोध से जुड़ गए। अगर ओबैद सिद्दीकी प्रतिभावान नहीं होते तो शायद एनसीबीएस इतना फल-फूल नहीं पाता। किसी भी संस्था की स्थायी सफलता का एक अन्य कारण उसके द्वारा अपनाई गई शासन व्यवस्था की संरचना है। एनसीबीएस बोर्ड के सदस्य का कार्यकाल ठीक तीन साल का होता है। इसे एक या दो बार नवीनीकृत किया जा सकता है, लेकिन इससे अधिक नहीं। ईपीडब्ल्यू चलाने वाले ट्रस्ट के विपरीत यहां कोई भी 'आजीवन' सदस्य नहीं रह सकता। एनसीबीएस बोर्ड में सेवा देने के लिए किसी व्यक्ति की अधिकतम अवधि नौ वर्ष है, जबकि ईपीडब्ल्यू के बोर्ड में कुछ ट्रस्टी तीस वर्षों से कार्यरत हैं। निष्कर्ष के तौर पर मैं यह कह सकता हूं कि लंबे समय तक अपने पद पर बने रहने की चाहत महिलाओं से ज्यादा पुरुषों में देखी जाती है। ओबैद सिद्दीकी इसके अपवाद रहे हैं। राजनीति, खेल, व्यवसाय और शिक्षा के क्षेत्र में अनगिनत भारतीय पुरुषों ने ऐसे काम किए हैं और आगे भी करते रहेंगे, जैसा कि वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति करना चाहते थे। इस तरह के अदूरदर्शी और आत्मकेंद्रित व्यवहार की कीमत अधिक प्रतिभाशाली कनिष्ठ सहयोगियों और समग्र रूप से समाज को चुकानी पड़ती है।

– साभार

सेल्फ इम्प्रूवमेंट है सिलसिला उम्रभर का

■ कीर्तिशेखर

सेल्फ इम्प्रूवमेंट या आत्म सुधार आज के दौर में ऐसी प्रक्रिया मान ली गयी है, जिसका सिर्फ परीक्षार्थियों से ही रिश्ता है। आमतौर पर सेल्फ इम्प्रूवमेंट की बात और कोशिश करते भी ऐसे छात्र ही मिलेंगे, जो किसी एग्जाम की तैयारी कर रहे होते हैं या कैरियर बेहतर बनाने की कोशिश में लगे होते हैं। जबकि सेल्फ इम्प्रूवमेंट का रिश्ता सिर्फ नौकरी के लिए की गई तैयारी या किसी परीक्षा के प्रिपरेशन तक सीमित नहीं है। वास्तव में सेल्फ इम्प्रूवमेंट महज कैरियर या एग्जाम के लिए नहीं बल्कि पूरी जिंदगी के लिए होना चाहिए। जब भी सेल्फ इम्प्रूवमेंट के लिए प्रयास करें, तो उसका लक्ष्य सीमित न रखें। यह न मानकर चलें कि इसे लिखकर बस एक एग्जाम पास करना है। इसलिए जब भी सेल्फ इम्प्रूवमेंट के लिए कोई किताब पढ़ें, कुछ नया करने की कोशिश करें तो उसका अमल अपनी दिनचर्या में करें। जानकारी और समझ बढ़ाने के लिए लोगों से मिलें, सेमिनारों में हिस्सा लें या वर्कशॉप ज्वाइन करें तो उसका रिश्ता तात्कालिकता से नहीं, पूरी जिंदगी को बेहतर बनाने के नजरिये से हो। एक बार आत्म सुधार हो जाये तो अगर नौकरी नहीं भी मिले, तो भी जीवन सुधर जायेगा।आत्म-सुधार का मतलब खुद को बेहतर बनाने की प्रक्रिया है। एक ऐसा सफर है जो व्यक्ति को उसके भीतर की छिपी क्षमताओं को एक्सप्लोर करने की सुविधा देता है और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। वहीं सेल्फ इम्प्रूवमेंट से हमारे अपने फायदे के साथ ही देश और समाज का भी फायदा होता है। अगर हमने आत्म विकास कर लिया, तो एक बेहतर नागरिक बन जाएंगे और समाज को बेहतर बनाने में भूमिका अदा करेंगे। इसलिए हमें सेल्फ इम्प्रूवमेंट को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मानकर करना चाहिए। सेल्फ इम्प्रूवमेंट कुछ नियमों को जान लेना भर नहीं है बल्कि सेल्फ इम्प्रूवमेंट सीखने की एक सतत प्रक्रिया है। हम पूरी जिंदगी खुद का विकास करते रह सकते हैं और अपने लिए जो जरूरी है, उसे सीखते रहना पढ़ता है, क्योंकि सीखने का कोई अंत नहीं है। जैसे- आत्म सुधार की कोई सीमा नहीं है। सेल्फ इम्प्रूवमेंट के बहुत तरीके होते हैं और कोई भी तरीका किसी से कम या ज्यादा बेहतर नहीं होता। सब एक जैसे होते हैं। क्योंकि हर कोई एक तरीके से अपना आत्म सुधार नहीं कर पाता, सभी को अपने-अपने ढंग से चीजें सीखने की आदत होती है। इसलिए कोई लेक्चर सुनकर अपना इम्प्रूवमेंट करता है, तो कोई अच्छी किताबें पढ़कर। कोई दूसरों से बातें करके, तो कोई किसी के अनुभवों से सीखता है। कोई जोखिम लेकर, कोई गलतियां करके और कोई असफल होकर सफलता की तरफ कदम बढ़ाता है। सवाल है आप क्या करना चाहते हैं व क्या करना आसान लगता है? जिस चीज में आप कंफर्टेबल हों वही करें।

– साभार

महत्वकांक्षा और तार्किक मकसद

हम जब भी आत्म विकास का बीड़ा उठाएं, तो हमें पता होना चाहिए कि आखिर हम यह क्यों कर रहे हैं? हर कोई अपने आपमें यूनीक है। हर किसी की अपनी क्षमताएं और कोशिश करने के तरीके हैं। इसलिए जब भी सेल्फ इम्प्रूवमेंट का सिलसिला शुरू करें तो आपके पास एक चमकदार महत्वकांक्षा और तार्किक मकसद होना चाहिए। एक बार जब हम अपने मकसद को लेकर आत्म सुधार के सफर में आगे बढ़ते हैं तो फिर हम अपनी मंजिल से पीछे नहीं रुकते। आपकी बुनियादी रुचि जिस चीज में है, अगर उसी क्षेत्र में अपना आत्म सुधार करेंगे, तो दिन दूना रात चौगुना दौड़ेंगे बशर्ते अपनी ताकत पर भरोसा करें। गुजरे हुए कल की गलतियों को लेकर हर समय न घूमें, गुजरे हुए कल की गलतियों से सीखें और आगे बढ़ें। जरूरी नहीं है कि जीवन में हर कोई आपको गलत सीख ही दे। इसलिए यह बात भी सही नहीं है कि सुनें सबकी, करें मन की। अगर सामने वाला ईमानदारी से कोई सलाह दे रहा है, तो सलाह मानने में कोई बुराई नहीं है। कभी-कभी दूसरों की भी सुनने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वर्णिम आभा: आर्क डी ट्रायफ पर ठीक वैसी, पदक पाने वाले खिलाड़ियों के चेहरों पर जैसी

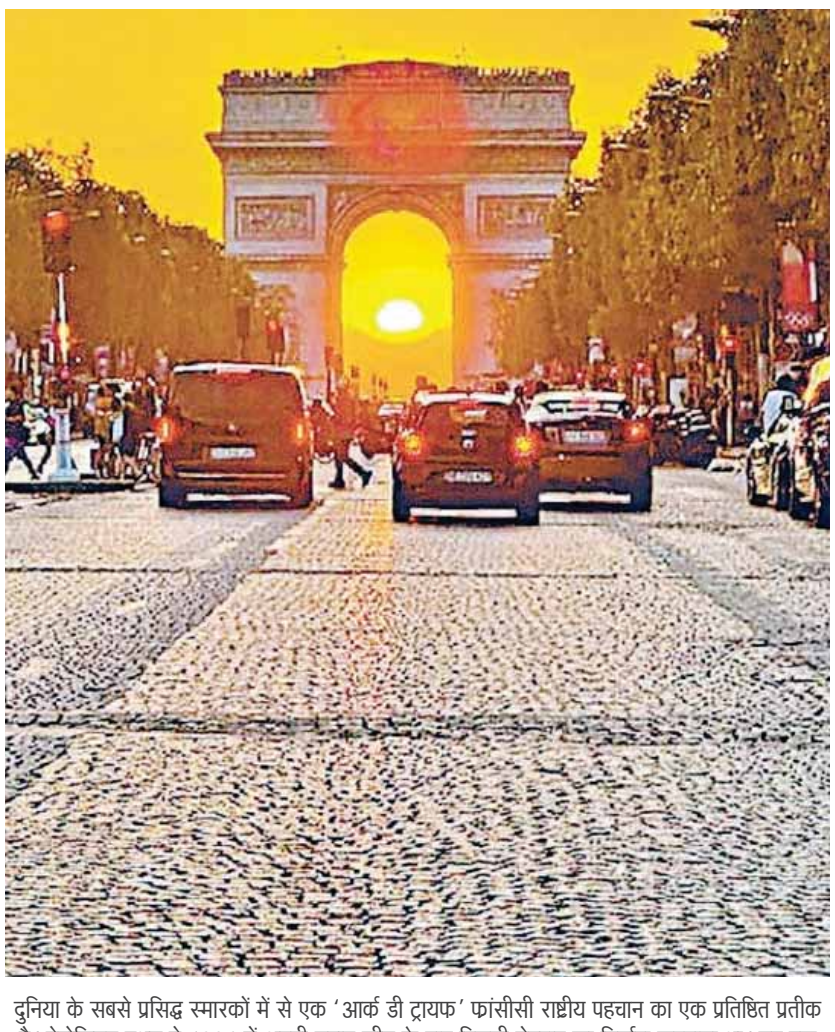

दुनिया के सबसे प्रसिद्ध स्मारकों में से एक 'आर्क डी ट्रायफ' फ्रांसीसी राष्ट्रीय पहचान का एक प्रतिष्ठित प्रतीक है। नेपोलियन प्रथम ने 1806 में अपनी महान जीत के बाद विजयी मेहराब का निर्माण करवाया था। यह एक गोलाकार चौक में स्थित है, जहां से 12 रास्ते निकलते हैं, जो एक सितारा (एटोइल) बनाते हैं, यही वजह है कि इसे 'आर्क ऑफ ट्रायफ ऑफ द स्टार' भी कहा जाता है। विजय के इस स्मारक पर सूर्यास्त का यह नजारा अनूठी स्वर्ण आभा बिखेर रहा है। ठीक इन दिनों पेरिस में चल रहे ओलपिक खेलों में अपनी झोली में स्वर्ण पदक लाने वाले खिलाड़ियों के चेहरे पर आने वाली चमक की माफिक।

खतरे का अलर्ट हो या महबूब से मिलन का बुलावा, आवाज में छिपे हैं सारे सीक्रेट... बड़े गहरे हैं '*मोनाल*' राज

■ धर्मेंद्र कुमार

हमारी प्रकृति की गोद में ना जाने कितने जीवों और पक्षियों का घर है। इन्हीं में से एक है बेहद खूबसूरत और रंग-बिरंगे पंखों वाला मोनाल। हालांकि, बुरी खबर यह है कि हिमालयन रेंज की शान माना जाने वाला ये पक्षी अब लुप्त होती प्रजातियों में से शामिल है। लोफोफोरस इंपेजनस वैज्ञानिक नाम वाले इस पक्षी को हिमालयन मोनाल और डांफी के नाम से भी पुकारा जाता है। एशिया महाद्वीप के दक्षिण और दक्षिण-पूर्व सहित मध्य हिस्सों में पाई जाने वाली पक्षियों की यह प्रजाति बेहद खास है। आइए जानते हैं, बर्फीले पहाड़ों पर पाए जाने मोनाल से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें। मोनाल को उत्तराखंड ने अपने राजकीय पक्षी का दर्जा दिया है। पड़ोसी देश नेपाल में मोनाल राष्ट्रीय पक्षी है। भारत, नेपाल, भूटान, म्यांमार, अफगानिस्तान और पाकिस्तान की बर्फीली पहाड़ियों सहित घने जंगलों में पाए जाने की वजह से इसे हिमालयन मोनाल कहकर पुकारा जाता है। नर मोनाल के पंखों में नीले, हरे, लाल और पीले रंगों का मिश्रण होता है। अपने इंद्रधनुषी पंखों की वजह से ये काफी आकर्षक दिखते हैं। इनमें मादा मोनाल का सिर भूरा, जबकि नर का सिर चमकीले रंग का होता है। औसत तौर पर 10 से 12 साल तक जीने वाले ये पक्षी वजन में 2 से 2.4 किलोग्राम तक के होते हैं। वहीं, इनकी लंबाई करीब 70 सेंटीमीटर तक रहती है। 2400 से 4500 मीटर तक की ऊंचाई पर मिलने वाले मोनाल की आवाज भी काफी तेज होती है। अक्सर अपनी नाराजगी और गुस्से को दिखाने के लिए मोनाल अपनी तेज आवाज का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा जब इन्हें कोई खतरा महसूस होता है, तो अपने साथियों को आगाह करने के लिए भी इनकी तेज आवाज काम आती है। वहीं, नर मोनाल अपनी आवाज के जरिए ही मादा मोनाल को लुभाते हैं। अप्रैल से अगस्त के बीच इनका प्रजनन काल होता है। प्रजनन के लिए डांस करने से लेकर अपने रंग-बिरंगे पंखों को खोलकर दिखाना मादा को लुभाने की इनकी कोशिशों में शामिल है। नर से संभोग के बाद मादाएं जमीन पर घोंसले बनाती हैं और अंडे देती हैं। इस दौरान नर मोनाल हर तरह से मादा की रक्षा करते हैं। एक बार में मादा मोनाल 3-5 अंडे देती हैं और उन्हें लगभग 27-30 दिनों तक सेती हैं। इनके बच्चे 3 महीने के होते-होते खुद से अपना भोजन तलाशने और खाने लायक हो जाते हैं। 6 महीने की उम्र पूरी होने तक ये पूरी तरह आजाद होकर घूमने लगते हैं।

मजबूत चोंच के मालिक हैं मोनाल: भोजन खोजने में मोनाल काफी माहिर होते हैं। आमतौर पर मोनाल अपनी मजबूत चोंच के जरिए पेड़ों की जड़ें खोदकर, कीड़ों, छोटे जीवों और फलों के बीज से अपना भोजन निकालते हैं। इनकी चोंच इतनी शक्तिशाली होती है कि कुछ ही मिनटों के भीतर ये जोड़ को खोद लेते हैं। भारत के उत्तरी राज्यों और नेपाल में मोनाल का खास सांस्कृतिक महत्व है। हालांकि, इसके बावजूद अंधाधुंध हो रही जंगलों की कटाई, अवैध शिकार और आवास नष्ट होने की वजह से मोनाल की आबादी कम होती जा रही है। इस प्रजाति को बचाने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं। अलग-अलग संगठनों और सरकारों ने मोनाल के संरक्षण के मकसद से बड़े कदम उठाए हैं।

– साभार एनबीटी

तवानगर रोड पर दिखा बाघ, सैलानियों ने बनाया वीडियो

पुनीत मालवीय , इटारसी।

मानसून ने इटारसी के प्रसिद्ध टूरिस्ट प्वाइंट तवानगर को इस समय हरियाली की चादर ओढ़ा दी है। तेज बारिश से तवा बांध भी लबालब होने वाला है। हाल ही हुई बारिश के कारण तवा बांध में पानी की आवक बनी हुई है, इसे देखते हुए बांध प्रबंधन ने तवा बांध के 9 गेट खोलकर रखे हैं जिससे पानी छोड़ा जा रहा है। इस मनोरम नजारे को आंखों में कैद करने सैकड़ों पर्यटकों का मूवमेंट अचानक तवानगर में हो गया है। बड़ी संख्या में लोग बांध का मनोरम नजारा देखने पहुंच रहे है। इन हालातों में ये खबर आपके लिए जानना बहुत जरूरी है। लेकिन तवानगर जाना खतरे से खाली नहीं है,जान का खतरा भी हो सकता है।

यह हम इसलिए कह रहे है, क्योंकि तवानागर रोड पर शनिवार के दिन सड़क पर टाइगर का मूवमेंट देखा गया है। सड़क पार करते हुए टाइगर का मूवमेंट कुछ राहगीरों ने अपने मोबाइलों में कैद किया है। टाइगर के सड़क के आसपास मूवमेंट से अब रोड से बाइक से गुजरने वालों के लिए बड़ा खतरा खड़ा हो गया है। तवा बांध के गेट खुले होने की खबर जैसे जैसे फैल रही है, वैसे-वैसे यहां आने वाले पर्यटकों का सिलसिला भी शुरू हो गया है।ऐसे में इन पर्यटकों के लिए खतरा भी बढ़ गया है। खासतौर पर अकेले बाइक चालक का इस रोड से निकलना बड़ी घटना का कारण बन सकता है। तवानगर के निवासियों का कहना है कि अगर टाइगर ने सड़क क्रॉस की है तो इसका मतलब यह हैं कि टाइगर ने अपना ठिकाना अभी इसी क्षेत्र में बनाया है। इस क्षेत्र में तेंदुआ का भी मूवमेंट कई बार देखा गया है। तवानगर के लोगों को हर दिन इसी रोड से अपनी जान खतरे में डालकर ही आनाजाना करना पड़ता है।

5 मृतक के परिजनों को 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजनानतर्गत 5 मृत व्यक्तियों के निकट के परिजनों को 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिवनीमालवा के ग्राम घाना वीरेन्द्र मेहता पिता चंपालाल मेहता की खेत पर कृषि कार्य करते समय रोटरवेटर में पैर कट जाने से मृत्यु हो जाने पर मृतक की पत्नि श्रीमती क्रान्ति मेहता को 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

वहीं तहसील माखननगर के ग्राम आंचलखेडा के कमल किशोर तिवारी पिता शिवनाथ तिवारी की खेत पर कृषि कार्य करते समय कुआं की मोटर चालू करते मृत्यु हो जाने पर मृतक की पत्नि श्रीमती क्रान्ति मेहता को 4 लाख रूपये, माखन नगर के ही ग्राम आंचलखेड़ा के गिरधारी लाल मरकाम पिता सुखराम मरकाम की खेत पर कार्य करते धान की फसल में पानी देते समय बिजली करंट लगने से मृत्यु हो जाने पर उनकी पत्नि श्रीमती राजन्ती बाई मरकाम 4 लाख रुपए, माखननगर के ग्राम नसीराबाद के सुरेन्द्र यादव पिता श्री रामलाल यादव की खेत पर कृषि कार्य मूंग की फसल जायद करते समय बिजली करंट लगने से मृत्यु हो जाने पर उनके पिता रामलाल यादव को 4 लाख रूपए एवं माखननगर के ग्राम आरी के मुकेश यादव पिता घासीराम यादव की खेत पर कार्य करते समय मोटर वायरिंग में बिजली करंट लगने से मृत्यु हो जाने पर उनकी पत्नी श्रीमती शेववती यादव को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

शहर में फिर सुअरों की संख्या तेजी से बढ़ी,नपा को लेना होगा एक्शन

पुनीत मालवीयी , इटारसी।

शहर में एक बार फिर सुअरो की संख्या तेजी से बढ़ रही है,देखा जाए तो शहर के कुछ इलाकों में अभी भी कुछ सूअर पालकों ने जानवर पाल रखे है। कुछ समय पूर्व नपा अध्यक्ष ने बाहर के शूटर और सुअर पकड़ने वाली गैंग बुलाकर इन पर कार्यवाही करी थी, जिसके बाद शहर में सुअरो की तादाद में भारी कमी आई थी, लेकिन कुछ हठधर्मी सुअर पालको ने नपा की कार्यवाही को ताक पर रखते हुए चोरी से सुअर पाल रखे थे, जो अब फिर तेजी से बढ़ गए है। शहर के कुछ इलाके ऐसे हैं जहां अभी भी सुअरो की भरमार देखी जा सकती है।

नपा कर चुकी है कार्यवाही

नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चोरे ने कुछ समय पूर्व इंदौर से शूटर और सुअर पकड़ने वाली गैंग बुलाकर इन सुअर पालको के बहुत सारे जानवरो को शहर से बाहर कराया था, अगर कार्यवाही के दौरान कोई सुअर पालक गैंग के युवकों से बहस करता था तो उस पर पुलिस की मदद भी ली गई थी। शूटरो की टीम के साथ पुलिस की टीम भी मोके पर पहुँचती थी। लेकिन इसके वावजूद भी कुछ सुअर पालको ने अपने जानवरो को नपा की, द्रष्टि से छिपाकर रखा और एक बार फिर अब सड़को पर सुअर दिखाई देने लगे है।

सुअरो ने कई लोगो को काटा

शहर में कुछ समय पहले सुअरो के काटने के कई मामले आप चुके है,बंगलिया में एक बच्ची को सुअर ने काट लिया था, इसके बाद अन्य इलाकों में भी ऐसी घटनाये हो चुकी है, लेकिन सुअर पालको को अभी भी समझ नहीं आ रही है और ना ही नपा के जिम्मेदार अधिकारियो को। एक बार फिर इनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है।

इन इलाकों में है जानवर

अगर देखा जाये तो शहर के कुछ ऐसे इलाके है, जहाँ सुअरो की तादाद ज्यादा है। इन इलाकों में सुअर पालक भी रहते है जो चोरी से इनको पालकर इनकी जनसंख्या वृद्धि करते है।जैसे नदी इलाका, वार्ड नम्बर 21,वार्ड नंबर 22 गांधीनगर,बूढ़ीमाता मंदिर के पीछे, आसफाबाद, नाला मोहल्ला, गरीबी लाइन,बंगलिया,आवाम नगर सहित कई अन्य इलाके।

इनका कहना

हम एक बार फिर इंदौर की टीम बुलाकर सख्त कार्यवाही करेंगे, इनकी संख्या में इजाफा हुआ है। में खुद टीम के साथ पहुँच कर कार्यवाही कराऊंगा।

***पंकज चोरे,** नगर पालिका अध्यक्ष*

रिमझिम बारिश के बीच नागद्वारी मेले में भारी भीड़

प्रकृति के सौन्दर्य को निहारते हुए नागद्वारी गुफा पहुंच रहे श्रद्धालु

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

महादेव की पवित्र नगरी एवं हिल स्टेशन पचमढ़ी में नागद्वारी मेला पूरे उत्साह के साथ प्रारम्भ है। मेले में महाराष्ट्र, म0प्र0 एवं अन्य राज्यों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु नागद्वारी पहुंच रहे है। रिमझिम बारिश और प्रकृति के सौंदर्य को निहारते हुये विभिन्न राज्यों के श्रद्धालु दुर्गम रास्तों को पार करते हुए नागद्वारी गुफा पहुंच कर अपने ईष्ट के दर्शन कर अपने को धन्य समझ रहे हैं। 1 अगस्त से 10 अगस्त तक चलने वाले नागद्वारी मेले में जिला प्रशासन नर्मदापुरम द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाए सुनिश्चित की गई है। श्रद्धालु जैसे ही पचमढ़ी पहुँचते हैं वैसे ही जिला प्रशासन द्वारा उनकी सुरक्षा के इंतजाम किये जा रहे हैं।

पचमढ़ी तहसील में स्थापित कंट्रोल रूम से पूरे मेले पर उच्च अधिकारियों द्वारा नियंत्रण एवं निगरानी रखी जा रही है। जैसे ही सूचना मिलती है वैसे ही विभिन्न प्वाईंटों पर सामग्री तथा अन्य व्यवस्थाएँ तत्काल उपलब्ध करायी जाती है। प्रशासन द्वारा की जा रही संपूर्ण व्यवस्था से श्रद्धालु काफी प्रसन्न दिखाई दे रहे हैं। संपूर्ण मेले में साफ सफाई का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है, जगह जगह ब्लिचिंग पाउडर, चूना पाउडर का छिडकाव किया जा रहा है तथा जलगली, काजरी, चिंतामन तथा नागद्वारी स्थल पर भी जिले की विभिन्न नगरपालिकाओं से प्राप्त सफाई कर्मी से साफ सफाई करायी जा रही है।

श्रद्धालुओं के लिये शुद्ध पेय जल की व्यवस्था भी पानी टेंकरों के माध्यम से की गई है, महाराष्ट्र से आये विभिन्न मण्डलों के भंडारों में उपलब्ध टेंकरों को फायर बिग्रेड वाहनो से भरा जा रहा है। हजारो की संख्या में श्रद्धालु पचमढ़ी दर्शन करने हेतु पहुंच रहे है, मेले के प्रारम्भ से ही वर्षा भी निरंतर हो रही है जिससे श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम हो रही है। प्रति वर्ष उनुसार इस वर्ष मेला क्षेत्र में 750 जवान एवं वालिंटियर्स मुस्तेद से ड्यूटी कर रहे है, वे श्रद्धालुओ को अपनी सेवाओ से राहत दे रहें हैं।

श्रद्धालुओं को बस स्टैंड से जलगली जाने के लिए वाहनों की व्यवस्था

श्रद्धालुओ को बस स्टेण्ड से जलगली जाने के लिए जिप्सी वाहन की व्यवस्था की गई है। प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए राशि न बढ़ाकर कर 50 रुपए प्रति व्यक्ति ही रखी गई है। प्रत्येक सेक्टर प्वाईंट पर सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किये गये हैं, जो भक्तों की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। जिला प्रशासन की ओर से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस.एस रावत, अनुविभागीय अधिकारी (राज0) संतोष कुमार तिवारी, साडा सीईओ नीरज श्रीवास्तव एवं मेले से जुड़े अन्य उच्च अधिकारी आवश्यक सुविधाऐं उपलब्ध कराने के लिये पचमढ़ी में उपलब्ध हैं।

नागद्वारी मेला पचमढ़ी में 40 लीटर कच्ची हथभट्टी शराब जप्त, 4 प्रकरण दर्ज

नर्मदापुरम। अवैध शराब के विक्रय निर्माण परिवहन संग्रहण के परिप्रेक्ष्य में जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर के मार्गदर्शन में जिले अवैध शराब के विरुद्ध विशेष अभियान के अंतर्गत शनिवार को शहर के बालागंज क्षेत्र में आबकारी विभाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा दबिश दी गई। उक्त कार्यवाही में देशी शराब के 180 क्वार्टर, विदेशी शराब ऑफिसर चॉइस व्हिस्की के 42 क्वार्टर, गोवा व्हिस्की के 28 क्वार्टर एवं पावर 10000 बीयर की 66 केन जप्त कर आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कुल 4 प्रकरण कायम किए गए।जप्त देशी एवं विदेशी शराब की अनुमानित कीमत 30,000 /- है।

आबकारी वृत पिपरिया नागद्वारी मेला पचमढ़ी में आबकारी टीम द्वारा 40 लीटर कच्ची हथभट्टी शराब जप्त की गई अनुमानित कीमत 8000/- कार्यवाही में आबकारी उडनदस्ता से सहायक जिला आबकारी अधिकारी राहुल ढोके, विनोद सल्लाम ,आबकारी उपनिरीक्षक राजेश साहू, वासुदेवाचार्य त्रिपाठी हेमंत चौकसे, के के पडरिया ,निलेश पवार, रानी अहिरवार और हितेश कुमार आबकारी उपनिरीक्षक , आबकारी मुख्य आरक्षक रघुवीर निमोदा, आबकारी आरक्षक मनोज रघुवंशी ,गोपाल रघुवंशी राजेश गौर,धर्मेंद्र बारगे, दुर्गेश पठारिया , विकास लोखंडे , गणपति बोबडे एवं भावना यादव कैलाश अखंडे तथा सहयोगी पुलिस बल में सहायक उप निरीक्षक रामहेत, मुख्य आरक्षक लालजी, एवं आरक्षक सुखवीर सिंह, कौशलेंद्र आदि का सराहनीय योगदान रहा आबकारी विभाग की टीम द्वारा सटीक सूचनाएं संकलित कर इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेंगी।

मेट्रो एंकर राजस्व महाअभियान के लिए एसडीएम ने ली छह घंटे मैराथन बैठक

आंगनवाड़ी, आशा कार्यकर्ताओं, नपा कर्मचारियों की शंकाओं का अधिकारियों ने किया समाधान

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

विगत 18 जुलाई से प्रारंभ राजस्व महाअभियान को और गति देने के उद्देश्य से शनिवार को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व टी प्रतीक राव ने शहर के आधा दर्जन स्थानों पर वार्डवार बैठक लेकर आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और नगर पालिका के कर्मचारियों को पेंडिंग समग्र ईकेवायसी सहित अभियान के अन्य कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। इस दौरान मौजूद कर्मचारियों की कुछ शंकाओं का समाधान भी किया गया है। बैठक में तहसीलदार सुनीता साहनी, परियोजना अधिकारी दीप्ति शुक्ला सहित आंगनवाड़ी, आशा कार्यकर्ता और राजस्व तथा नगर पालिका के कर्मचारी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेखों की त्रुटियों को सुधारने के लिए राजस्व महाअभियान 2.0 का आयोजन विगत 18 जुलाई से चल रहा है। अनुविभाग इटारसी के अंतर्गत आने वाले वार्डों में प्रत्येक कृषक का समग्र ई केवायसी, खसरा लिंकिंग कराया जाना है। इस कार्य के लिए पटवारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता, संचालक सीएससी सेंटर, डिजीटल क्रॉप सर्वेयर, एमपी ऑन लाइन एवं वार्ड प्रभारियों का नगर स्तरीय दल गठित किया है। ये दल वार्डों में कैंप लगाकर कार्य कर रहे हैं। इनकी कुछ शंकाओं का समाधान आज की बैठक में किया।

यहां हुई बैठकें

वार्ड 3 हाउसिंग बार्ड कालोनी की आंगनवाड़ी में वार्ड 4 के लिए बैठक हुई। इसी तरह से वार्ड नं. 2 तवा कालोनी में वार्ड 1,33 और 34 की बैठक, वार्ड 6 रामगढ़ कन्या शाला पुरानी इटारसी में वार्ड5,7,8 एवं 9 के लिए, वार्ड नं. 11 मुस्कान संस्थान के पास आंगनवाड़ी में वार्ड 10,12 एवं 13 के लिए, वार्ड 14 की आंगनवाड़ी सूरजगंज में वार्ड 15 एवं 16 के लिए, वार्ड 22 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नाला मोहल्ला में वार्ड 21 के लिए तथा वार्ड 28 पं. भवानी प्रसाद मिश्रा ऑडिटोरियम में वार्ड 16, 17, 18, 20, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 31, 31 एवं 32 के लिए बैठक हुई।

एसपीएम में प्रधान पाठकों का एनएएस के तहत हुआ उन्मुखीकरण प्रशिक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

शनिवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एसपीएम में जन शिक्षा केंद्र मिसरौद एवं जन शिक्षा केंद्र एसपीएम के समस्त प्रधान पाठकों का ह्रस्के तहत उन्मुखीकरण प्रशिक्षण दोपहर 12-00 बजे से 2-00 बजे तक एवं दोपहर 2-00 बजे से शाम 4-00 बजे तक हुआ। ह्रस्के तहत उन्मुखीकरण किया गया जिसमें द्वितीय सत्र में साक्षरता के संभागीय ब्रांड एंबेसडर मयंक तोमर ने उपस्थित होकर साक्षरता के बारे में विशेष प्रकाश डाला एवं उन्होंने बताया कि 2011 की जनगणना की आधार पर वर्तमान में साक्षरता की दर 70 प्रतिशत ही है उसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हो रही है। सभी शिक्षकों को ऐसे अथक प्रयास की जरूरत है जिसमें हमारे देश की साक्षरता की दर में वृद्धि हो सके। उन्होंने तमाम प्रयास करने की बात कही। शिक्षकों ने उनकी बात को गंभीरता से सुना साथ ही एसपीएम संकुल प्राचार्य राजेश शर्मा एवं बी ए सी श्री राकेश दुबे एवं जन शिक्षक के. एस वाड़ीवा, पुरुषोत्तम अहिरवार, आनंद दुबे, विद्या ठाकुर ने भी ने ह्रस्के तहत विस्तृत चर्चा की। साथ ही ओलंपियाड के रजिस्ट्रेशन राष्ट्रीय मेरिट कम मिन्स के रजिस्ट्रेशन इंस्पायर अवार्ड, नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा के फॉर्म भरने पर विद्यांजलि एप्प, वायु दूत ऐप पर वृक्षारोपण की जानकरी फीड करने, अधिक से अधिक नामांकन की जानकारी, आईवीआरएस पोर्टल पर प्रतिदिन एमडीएम की उपस्थिति दर्ज करने की बात कहीं। सभी शिक्षकों को 2024 के सर्वे में मध्य प्रदेश में नर्मदापुरम को टॉप वन पर आने के लिए प्रयास करने की जरूरत बताई गई। कक्षा तीसरी, कक्षा छठवीं एवं कक्षा 9वी के बच्चों का यह सर्वे 19 नवंबर को होगा जिसमें शिक्षक सभी प्रतिदिन के हिसाब से टाइम टेबल का निर्धारण करेंगे एवं श्री तोमर ने तैयारी करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

ग्राम इमलानी में एक कमरे में चल रहा स्कूल, मवेशी भी बंधे हैं

निजी स्कूल में चल रही आटा चक्की बच्चों का भविष्य अंधकारमय

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सिरोंज क्षेत्र में सरकारी ही नहीं निजी स्कूलों की हालत भी खराब है। बच्चों को सुविधा देने के नाम पर पढ़ाई की मोटी फीस लेने वाले निजी स्कूलों में शिक्षा विभाग अपना दखल ही नहीं दे रहा यही कारण है कि गांव क्षेत्र में मनमानी से निजी स्कूल चल रहे हैं। स्कूल संचालकों ने स्कूल की मान्यता 1 से 8 वीं तक ले रखी है, लेकिन स्कूल में छात्रों को नौंवी और 10वीं की पढ़ाई भी कराई जा रही है।

ऐसे कई स्कूल है जिनके पास मान्यता ही नहीं तो कई ऐसे स्कूल है, जिनके पास मानता तो है लेकिन मान्यता से अधिक संख्या की कक्षा संचालित की जा रही है। शहर से सटे संकुल केंद्र इमलानी में निजी स्कूल ऐसे ही चलता पाया गया। सपना पब्लिक स्कूल के नाम से एक निजी स्कूल संचालित हो रहा है। स्कूल के पास आठवीं तक मान्यता है लेकिन यहां नौवी और दसवीं में पढ़ने वाले बच्चे तक बैठे दिखाई दिए। वहीं सबसे बड़ी समस्या तो यह है कि स्कूल जिस बिल्डिंग में संचालित हो रहा है, उसकी एक शटर में कई गाय एवं भैंस बंधीं थीं जिनके गोबर और गंदगी के कारण चंद मिनट खड़ा होना भी मुश्किल हो रहा था तो वहीं दूसरी तरफ एक कमरे में आटा चक्की संचालित की जा रही है। हैरानी की बात ये है कि एक से आठवीं तक की मान्यता वाले इस स्कूल में एक ही कमरे में सभी कक्षाएं चल रही थीं। स्कूल की कक्षाएं और बिल्डिंग की स्थिति बद से बत्तर है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि शिक्षा विभाग का संकुल केंद्र मात्र 300 मीटर दूर है -लगाया जा सकता है। इस मामले में सपना पब्लिक स्कूल के संचालक रामू कुशवाह का कहना है कि स्कूल इसी सत्र से शुरू हुआ है इसलिए अभी व्यवस्थित नहीं हुआ। नौवी और दसवी के बच्चे यहां कोचिंग पढ़ने आते हैं उन्हें 1 स्कूल में एडमीशन नहीं दिया गया। स्कूल में मान्यता के अनुसार बच्चे एक से आठवीं तक ही पढ़ते हैं।

प्रवेश मान्यता प्राप्त स्कूल में और पढ़ रहे दूसरे स्कूल में पूरे विकासखंड में निजी स्कूल संचालकों की मनमानी इस कदर हावी है कि मान्यता से अधिक कक्षाएं संचालित कर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। पांचवी कक्षा की मान्यता वाले स्कूलों में 8वीं, 8वीं की मान्यता वाले 9वीं व 10 वीं की कक्षाएं चला रहे हैं। ऐसे छात्रों का नाम किसी मान्यता प्राप्त स्कूल में लिखा दिया जाता है। इसके एवज में स्कूल संचालक को निश्चित राशि दी जाती है। बिना मान्यता कक्षाएं संचालित करने वाले छात्रों से मनमानी फीस वसूल रहे हैं।

इससे मान्यता प्राप्त स्कूलों को भारी र नुकसान हो रहा है। समय समय पर शिक्षा विभाग ने गैर मान्यता प्राप्त निजी रु स्कूलों पर लगाम कसने के लिए बेहतर 5 तरीके से जांच करने के निर्देश दिए जाते 3 हैं। लेकिन शिक्षा विभाग स्कूल संचालकों की सेटिंग का खेल पूरी तरह से खत्म करने में नाकाम साबित हुआ है। क्षेत्र में ऐसे कई स्कूल चल रहे हैं जिनकी मान्यता तो 8वीं तक है, लेकिन हं कक्षाएं 10वीं तक संचालित होती हैं। ऐसे स्कूल भी गैर मान्यता प्राप्त श्रेणी में आते हैं।

स्कूल की स्थिति बदतर फिर भी जिम्मेदार बेखबर

इमलानी में संचालित 1 से 8 तक सपना पब्लिक स्कूल की स्थिति खराब है। स्कूल के पास न तो खेल परिसर है ना ही उपयुक्त बिल्डिंग, साथ ही जो स्थिति है इतनी बदतर कि स्कूल के चारों तरफ कचरा और गंदगी एवं बदबू के कारण मच्छरों का जमावड़ा है। स्कूल परिसर में ही गाय, भैंसे बंधी रहती हैं, उन्हीं के बीच में से छोटे छोटे बच्चों को निकलना पड़ता है। जब आटा चक्की चलती है तो उसकी आवाज से पढ़ना मुश्किल हो जाता है। हालाकि इमलानी गांव में ही संचालित सरकारी स्कूल भी है, जहां पर बिल्डिंग के साथ-साथ उत्कृष्ट व्यवस्था एवं साफ सफाई है। हैरानी की बात ये है कि मान्यता देते वक्त अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया था या नहीं, किस बेस पर अधिकारियों ने मान्यता दे दी इसकी भी जांच होनी चाहिए।

इनका कहना है -

हम जांच टीम गठित कर दिखवाते हैं, कि कैसे आठवीं तक मान्यता होने के बाद भी नवी, दसवीं की कक्षा संचालित कराई जा रही है। इसके अलावा शासन की गाइडलाइन अनुसार व्यवस्था नहीं होगी तो कार्रवाई की जाएगी।

उमेश सोनी, *बीईओ सिरॉज।*

अतिक्रमण हटाने के बाद फिर से किया पुराने बस स्टैण्ड पोस्ट ऑफिस के पास दबंगों ने अतिक्रमण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नपा के अतिक्रमण हटाने के बाद फिर से किया स्थानीय पुराना बस स्टैण्ड पर स्थित पोस्ट आफिस के दोनो प्रवेष द्धारा इस समय भारी अतिक्रमण की चपेट में है जिस ओर न तो पोस्ट आफिस के जिम्मेदार ध्यान दे रहे है और न ही स्थानीय प्रषासन । जिसके चलते खासकर पोस्ट आफिस आने जाने वालों को तो परेषानी का सामना करना ही पड़ता है साथ ही इस मार्ग से आने जाने वाले लोग भी परेषान है इस अतिक्रमण के कारण आए दिन यहां जाम की स्थिती पैदा होती है ।

गौरतलब है कि वार्ड न 5 में स्थित पोस्ट आफिस के दोनो प्रवेष द्धार पर स्थानीय लोगों द्धारा लगभग 5 फिट की गुमठियॉ रखली गई है ओर गुमठीयों के आगे हाथ ठेले लगाए लिए है जिसके चलते पोस्ट आफिस की दीवार से लगी सड़क पर लगभग 10 फिट अतिक्रमण एक ओर हो गया है तो वही सड़क की दूसरी ओर भी हाथ ठेले खड़े होने के कारण मुख्य सड़क मात्र चंद फिट कि नज़र आ रही है इस अतिक्रमण के कारण लोगो का इस मार्ग से निकलना दूभर हो गया है। यदि बात इस मार्ग पर निकलने वाले वाहनों की करें तो पहले यहां से चार पहिया वाहन आसानी से निकल जाते थे परंतु अब दोनो ओर हुए अतिक्रमण के कारण मात्र दो पहिया वाहन ही बड़ी परेषानी से निकलते है इसके अलावा यदि महिलाओं की बात करें तो इस मार्ग पर चाय की गुमठियों द्धारा रोड पर कुर्सिया रख देने के कारण महिलाओं का यहां से निकलना परेषानी का सबब बन गया है।

गौरतलब है कि पूर्व हुई शांति समिति की बैठक में स्थानीय लोगों ने अनुविभागीय अधिकारी सिरोंज को भी इस अतिक्रमण से अवगत कराया था परंतु सरकारी रोड पर अवैघ रूप से गुमठियॉ और उनके आगे लगे हाथ ठेलो के अतिक्रमण पर अब तक माननीय मौन है इसके अलावा नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी प्रेस द्धारा इस बात से अवगत कराया जा चुका है परंतु जनहित के लिए होने वाले इस कार्य में आज तक नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारीयों ने भी अपनी जिम्मेदारी नही समझी।

जनपद सदस्य प्रतिनिधि ने अपने स्वयं के खर्चे से हियरिंग मशीनें की भेंट

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जनपद सदस्य प्रतिनिधि पंडित प्रशांत पालीवाल अपने जनपद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गावों कान की मशीन के लिए परेशान लोगों के लिए अपने निजी खर्चे से हियरिंग मशीन उपलब्ध कराई। इस अवसर पर उन्होंने मुगलसराय निवासी रामकली बाई को जब हियरिंग मशीन उपलब्ध कराई तो उनके चेहरे पर खुशी देखते नहीं बनी। मशीन मिलते ही खुशी के मारे रामकली झूम उठी इसके अलावा श्री पालीवाल ने क्षेत्र के अन्य गांवों में भी हियरिंग मशीन लोगों को उपलब्ध कराई। इस दौरान उन्होंने कहा कि जो लोग जन्म से दिव्यांग पैदा हो जाते या किसी हादसे के कारण दिव्यांग हो जाते है। ऐसे दिव्यांगों की सहायता के लिए उनका हाथ संभालना चाहिए। ताकि उनको भी समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। दिव्यांगजनों की सहायता व सेवा करना ही सबसे बड़ा पुण्य है। उन्होंने कहा कि अगर हम ऐसे लोगों की सहायता करें तो भगवान हमें अपने जीवन में जरूर खुशियां देगा। इसके अलावा आज सभी समाज के लोगों को ऐसे लोगों की सहायता के आगे आकर उनका सहयोग करना चाहिए।

पाइप लाइन फूटने से नटेरन के 32 ग्रामों में जलप्रदाय बाधित

सिरोंज।

पर्यवेक्षण गुणवत्ता नियंत्रण संचालन और अनुरक्षण सगड़ के सहायक यंत्री ने बताया कि सगड़ हिनौतिया माली ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजनांतर्गत विदिशा जिले के नटेरन विकासखंड के ग्राम पंचायत सतपाडा हाट में जोन - 02 की 400 मि. मी. व्यास की डीआई फीडर लाइन किसान के खेत में डली हुई थी जिसके आसपास की मिट्टी को ग्रामीणों द्वारा खोदकर निकाल लिया गया है। जिससे पाइप लाइन के पास की मिटटी हट जाने के कारण जॉइंट खुल गया है। अतः रविवार चार अगस्त को सगड हिनौतिया माली ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के विकासखंड नटेरन के 32 ग्रामों में जल प्रदाय वाधित हो सकता है। जिन 32 ग्रामों में जल प्रदाय बाधित होगा उनमें घोघरा, बेहटा, मोहनिया खेडी, प्यारी, मोमनखेड़ी, लाखाखेडी, महु, रायखेडी रामपुरा कलां, दुदनखेडी, तोफाखेडी, नानकपुर, जमानपुर, मरखेडा, सतपाडा हाट, गुरौद, सोमबार, नदिया, फुफेर, फराई खुर्द, बमुरिया, सकराई, इकोदिया, पंचदा, नेवली, राजोदा, बलरामपुर, महोली, निचन, लाखारहसनपुर, जाथोदा, जोगी किरोदा शामिल हैं।

प्रदेश में कुएं में जहरीली गैस से बचाव के संबंध में निर्देश

सिरोंज। विगत दिनों प्रदेश में कुएं के अंदर जाने से कुछ व्यक्तियों की दर्दनाक मृत्यु हो गई है, यह घटना 25 जुलाई 2024 को कटनी तथा दो अगस्त 2024 को छतरपुर जिले में घटित हुई है। यह दोनों घटनाएं अत्यंत ही हृदय विदारक है। राजस्व एवं पदेन राहत आयुक्त के प्रमुख सचिव निकुंज कुमार श्रीवास्तव द्वारा इस संबंध में प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कुएं में जहरीली गैस से बचाव के संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। जिसमें उल्लेख है कि नागरिक कुंए के अंदर ना जाएं क्योंकि कुएं की गहराई में कार्बन मोनो आक्साईड जैसी जहरीली गैसे पाई जाती हैं, जिससे व्यक्ति तत्काल मुर्छित हो जाता है और मृत्यु भी हो जाती है।

बारिश में बीमारियों से बचाने पशुओं का टीकाकरण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

वर्षाकाल में पशुओं को होने वाली विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचाए रखने हेतु आवश्यक टीकाकरण कार्य पशु चिकित्सा विभाग के द्वारा संपादित किया जा रहा है। विभाग के उप संचालक केएन शुक्ला ने बताया कि टीकाकरण के विशेष अभियान के तहत पशुपालको को पशुओं में होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण की महत्वता, उपाय व कब कराएं टीकाकरण की भी जानकारियों से अवगत कराया जा रहा है।

पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के उप संचालक केएन शुक्ला ने बताया कि विदिशा जिले में इस वित्तीय वर्ष के दौरान

पशुओं को बीमारियों से बचाव के लिए विभिन्न प्रकार के टीकाकरण के प्राप्त लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित की गई है। उन्होंने बताया कि पशुओं में होने वाले मुंहखुर पका रोग से बचाव के लिए कुल चार लाख 25 हजार 150 पशुओं का टीकाकरण किया जाना था जिसमें से अब तक चार लाख 22 हजार 215 का टीकाकरण कार्य किया जा चुका है। बकरियो को लगने वाले पीपीआर टीकाकरण का कुल लक्ष्य 71 हजार एक सौ में से 68 हजार 916 का टीकाकरण कार्य किया जा चुका है पशुओं में होने वाले लम्पी रोग से बचाव के लिए कुल 73 हजार टीकाकरण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसमें से अब तक 62 हजार 554 पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। गलघोंटू रोग से बचाव के लिए कुल दो लाख 76 हजार 420 लक्ष्य विरूद्ध एक लाख सात हजार पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। एक टंगिया का लक्ष्य एक लाख 82 हजार 580 में से 17 हजार 157 की पूर्ति की गई है उक्त टीकाकरण का कार्य प्रगतिरत है।

मेट्रो एंकर

शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत मिलावटखोरों पर कब होगी कार्रवाई

नकली घी और तेल का हो रहा खुलेआम कारोबार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

मिलावटखोरों के खिलाफ शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं । इस अभियान के तहत नगर में मिलावट खोरी करने वालों पर प्रशासन के द्वारा कब कड़ी कार्रवाई की जाएगी । अभी तक इस अभियान के तहत कोई कार्रवाई नहीं की गई है कई मिलावटखोरों के द्वारा खुले आम आम जनता की सेहत के साथ खिलवाड़ करने का काम किया जा रहा है।

नकली घी से लेकर खुले तेल का कारोबार मिलावट करके किया जा रहा है जिसकी जानकारी नीचे से लिख ऊपर के अधिकारियों को होने के बाद भी खाद आपूर्ति एवं औषधि विभाग के जिम्मेदार अधिकारी तो कार्रवाई करने के लिए आते ही नहीं है। इनकी मिलीभगत से ही इसको गोरख धंधे को मिलावटखोरों के द्वारा अंजाम दिया जा रहा है,नकली घी और मिलावटी तेल खाने से कई तरह की बीमारियों से लोग ग्रसित हो रहे हैं, नगर में कुछ मिलावटखोरों के द्वारा डालडा और आलू से नकली घी तैयार किया जाता है। जिसमें घी की खुशबू के लिए सेंड का प्रयोग किया जाता है 500 ग्राम से लेकर 15 किलो तक की पैकिंग इनके द्वारा करके बाजार में खपाने का काम भी बड़े स्तर पर किया जा रहा है । अधिकांश दुकानों पर इन मिलावटखोरों के द्वारा नकली घी रखवा विकावाने का काम किया जा रहा है। इस काम को इन मिलावटखोरों के द्वारा अपने घरों से भी संचालित किया जा रहा है जिससे कि इन पर प्रशासन नजर ना पड़े और अपने काले कारोबार को अधिकांश मिलावटखोरों के

द्वारा इसी तरह घर के अंदर से ही अंजाम दे रहे शादी विवाह में भी इनके द्वारा नकली की सप्लाई करने का काम किया जा रहा है। जिसको खाने के बाद कई बार लोगों की तबीयत भी खराब हो जाती है दूसरी ओर विशेषज्ञों का कहना है कि सेंड वाला नकली घी खाने के कारण फेफड़ों खराब हो जाते हैं और कई तरह की बीमारियां भी घर करती हैं मिलावटखोरों के द्वारा नकली घी बनाने के लिए कई तरह की खराब सामग्री उपयोग किया जाता है । डालडा आलू के अलावा अन्य चीजें मिलाई जाती है कलर के लिए हल्दी भी डाली जाती है और खुशबू के लिए तरह तरह के सेंटरों का उपयोग किया जाता है जिसके कारण इनका रंग बिल्कुल असली की जैसा हो जाता है खुशबू भी असली घी की तरह ही आती है पर खाने के बाद इसके साइड इफेक्ट भी लोगों के ऊपर पढ़ते हैं। वहीं सरकार के द्वारा खुले तेल के कारोबार पर प्रतिबंध लगा हुआ है फिर भी बाजार में बड़े स्तर पर खुले तेल को बेचने का काम मिलावटखोरों के द्वारा किया जा रहा है। लोगों के द्वारा अपने थोड़े से फायदे के लिए आम आदमी की सेहत के साथ खुलेआम खिलवाड़ किया जा रहा है, ऐसे लोगों पर प्रशासन को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। कुछ मिलावटखोरों के द्वारा खुला तेल मंगाकर पैकिंग कर के भी बाजार में बेचने का काम किया जा रहा है। जिसको खाने से लोग बीमार भी हो रहे हैं विभिन्न तरह की बीमारियों से ग्रसित होते जा रहे हैं। इसके अलावा अन्य जगहों से भी नकली सामानों को भी बाजार में बेचने का काम किया जा रहा है। बाहर से भी नकली घी और तेल कि सप्लाई की जा रहा है इन मिलावटखोरों पर अब देखना है कि प्रशासन के द्वारा कब और कितनी ठोस कार्रवाई की जाएगी मुख्यमंत्री की मनसा पर अमल होगा या नहीं।

ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों को पात्रता अनुसार खाद्यान्न

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

जिला आपूर्ती नियंत्रक नर्मदापुरम ज्योति जैन सिंघई ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल द्वारा ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों को पात्रता अनुसार खाद्यान की आवश्यकता की पूर्ति के लिए पात्रता पर्ची (राशन कार्ड) जारी किया जाना है। इसके लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत प्राथमिकता श्रेणी में नवीन श्रेणी असंगठित एवं प्रवासी श्रमिक जोड़ी गई है। असंगठित एवं प्रवासी श्रमिक श्रेणी में संबल कार्डधारक अथवा ई-श्रम कार्डधारक श्रमिकों को हस्त्र्र्र के तहत पात्रता पर्ची जारी करने संबंधी कार्य के लिए श्रम विभाग नोडल रहेगा। इस संबंध में कलेक्टर जिला नर्मदापुरम ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए। जिला आपूर्ति नियंत्रक जिला नर्मदापुरम ने बताया कि श्रम विभाग अंतर्गत मुख्यमंत्री जन कल्याण योजना संबल में पंजीकृत असंगठित श्रमिक तथा ई-श्रम (भारत सरकार) पोर्टल पर पंजीकृत प्रवासी श्रमिक पात्र होंगे। नवीन जोड़ी गयी श्रेणी ÷असंगठित एवं प्रवासी श्रमिक÷ के अंतर्गत संबल, कार्डधारक अथवा ई-श्रम कार्डधारकों में से ÷ऐसे परिवार जिनके मुखिया या सदस्य आयकरदाता हो या केन्द्र/ राज्य सरकार के किसी कार्यालय, शासकीय एवं अर्द्ध शासकीय/ सार्वजनिक एवं स्वायत्त उपक्रम, जिसमें राष्ट्रीयकृत बैंक एवं सहकारी संस्थाएं शामिल हैं, में प्रथम, द्वितीय अर्थवा तृतीय श्रेणी का अधिकारी/कर्मचारी हो।÷ को छोड़कर शेष सभी श्रमिकों को योजनांतर्गत लाभांवित किया जाना है। पात्रता पर्ची हेतु संबंधित हितग्राही को अपनी संबंधित ग्राम पंचायत/नगर पालिका/नगर परिषद/नगर पंचायत कार्यालय में आवश्यक दस्तावेज-संबल कार्ड अथवा ई-श्रम कार्ड की छायाप्रति, समग्र परिवार आईडी, परिवार के सभी सदस्यों की आधार कार्ड की छायाप्रतियां एवं आयकर दाता तथा परिवार का कोई भी सदस्य शासकीय सेवा में न होने संबंधी स्व घोषणा पत्र के साथ, किसी एक सदस्य का मोबाईल नम्बर प्रस्तुत करना होगा। संबंधित ग्राम पंचायत/नगर पालिका/नगर परिषद/नगर पंचायत कार्यालय द्वारा आवेदन तथा दस्तावेजों का समुचित परीक्षण कर अपने लॉगइन से राशन मित्र पोर्टल पर दर्ज कर आवेदन को पात्रता पर्ची हेतु अग्रेषित किया जावेगा। योजनान्तर्गत पात्र परिवारों को प्रति सदस्य 5 कि.ग्रा. निःशुल्क खाद्यान्न की पात्रता होगी। शासन स्तर से पात्रता पर्ची प्राप्त होने के पश्चात् राशन वितरण प्रक्रिया के अंतर्गत चिह्नांकित असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों को पीओएस मशीन के माध्यम से ही खाद्यान्न दिया जाएगा।

अगर आपको बिना किसी वजह के बार-बार चक्कर आते हैं, तो इसे कभी नजरअंदाज न करें. यह कई गंभीर बीमारियों का संकेत हो सकता है. चक्कर आना एक आम समस्या हो सकती है। लोगों को स्वास्थ्य की नियमित जांच करवाएं- साल में कम से कम एक बार पूरी बॉडी चेकअप करवाएं. संतुलित आहार लें- पोषण से भरपूर आहार लें और नियमित रूप से पानी पिएं. रोजाना व्यायाम करें और अपने शरीर को फिट रखें.

क्या आपको भी बिना किसी वजह के चक्कर आते हैं तो कभी न करें इग्नोर

ये हो सकते है मुख्य कारण

रक्तचाप की समस्या: उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) या निम्न रक्तचाप (लो ब्लड प्रेशर) दोनों ही चक्कर आने का कारण बन सकते हैं. जब रक्तचाप असामान्य होता है, तो शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाता. इसके लक्षण हैं सिरदर्द, धुंधला दिखना, कमजोरी और चक्कर आना. इसका इलाज करने के लिए नियमित रूप से ब्लड प्रेशर चेक करें और डॉक्टर की दवाइयां समय पर लें.

मधुमेह (डायबिटीज): मधुमेह के मरीजों में शुगर लेवल के अचानक गिरने या बढ़ने से चक्कर आ सकते हैं. यह स्थिति हाइपोग्लाइसीमिया या हाइपरग्लाइसीमिया कहलाती है.मधुमेह के मरीजों में शुगर लेवल अचानक कम या ज्यादा होने से चक्कर आ सकते हैं. इसके लक्षण हैं पसीना आना, कमजोरी, भूख लगना और चक्कर आना. इसका इलाज करने के लिए रोजाना रूप से ब्लड शुगर की जांच करें और बैलेंस डाइट ले.

कान की समस्या: कान के अंदरूनी हिस्से में संक्रमण या समस्या होने पर भी चक्कर आ सकते हैं, जिसे वर्टिगो कहा जाता है. इसमें कान में दर्द, सुनाई कम देना, और संतुलन बिगड़ना शामिल हैं. इसका इलाज करने के लिए कान के विशेषज्ञ से संपर्क करें और उचित दवाइयों का सेवन करें. रोजाना जांच करवाना भी जरूरी है.

एनीमिया: रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी से भी चक्कर आ सकते हैं, जिसे एनीमिया कहते हैं. इसके लक्षण हैं थकान, कमजोरी, सांस फूलना और चक्कर आना. इसका इलाज करने के लिए आयरन युक्त आहार लें और डॉक्टर की सलाह पर दवाइयां लें. रोजाना रूप से खून की जांच करवाना भी जरूरी है.

वनिंदु हसरंगा इंजर्ड होकर सीरीज से बाहर

इंडिया-श्रीलंका का दूसरा वनडे आज रियान पराग कर सकते हैं डेब्यू

कोलंबो, एजेंसी

फुल स्ट्रेंथ बैटिंग लाइन-अप के साथ उतरी टीम इंडिया को कमजोर श्रीलंका ने पहले वनडे में लगभग हरा ही दिया था। शिवम दुबे की फिनिशिंग से भारत ने मैच टाई कराया। आज सीरीज का दूसरा वनडे खेला जाएगा, इसे जीतकर दोनों ही टीमें सीरीज में बढ़त लेना चाहेगी। पहले वनडे में श्रीलंका के 6 विकेट जल्दी गिराने के बाद भारतीय कप्तान ने ढील दे दी थी। इस मुकाबले में वह गलती नहीं दोहराना चाहेंगे। दूसरी ओर, पहले वनडे के नतीजे से श्रीलंकन टीम कॉन्फिडेंट है। घरेलू मैदान पर स्पिनर्स के दम पर टीम बढ़त लेने पर फोकस करेगी।

श्रीलंका पर फिर 100वीं जीत का मौका

भारत के पास आज फिर श्रीलंका पर 100वीं वनडे जीत दर्ज करने का मौका है। दोनों के बीच 169 वनडे खेले गए, 99 में भारत और 57 में श्रीलंका को जीत मिली। इस दौरान 2 वनडे टाई और 11 बेनतीजा रहे। भारत पहले वनडे में भी यह रिकॉर्ड हासिल कर सकता था, लेकिन तब मुकाबला टाई हो गया।

क्या प्लेइंग-11 बदलेगा भारत?

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि बैटर्स ने उन्हें पहले वनडे में निराश किया। मिडिल ऑर्डर को मैच खत्म करना चाहिए था। इसे देखते हुए वह बैटिंग ऑर्डर में बदलाव कर सकते हैं। रियान पराग को शिवम दुबे या वॉशिंगटन सुंदर की जगह शामिल किया जा सकता है।

आज बन सकते है रिकार्ड

रोहित शर्मा 10767 वनडे रन बना चुके हैं। 2 रन बनाते ही वह वनडे में भारत के चौथे टॉप रन स्कोरर बन जाएंगे। फिलहाल राहुल द्रविड़ ने उनसे ज्यादा 10768 रन बनाए हैं। विराट कोहली वनडे में 14 हजार रन बनाने के करीब हैं। उनके नाम 281 वनडे में 13872 रन हैं। 128 रन और बनाते ही वह 14 हजार वनडे रन पूरे कर लेंगे। अब तक 2 बैटर 14 हजार वनडे रन बना सके हैं। पहले सचिन तेंदुलकर और दूसरे कुमार संगकारा। कोलंबो में 3 प्लेयर्स के नाम 4-4 वनडे शतक हैं। सनथ जयसूर्या, सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली। जयसूर्या और तेंदुलकर रिटायर हो चुके हैं।

भारतीय बॉक्सर निशांत देव क्वार्टर फाइनल हारे, शूटर मनु भाकर और तीरंदाज दीपिका कुमारी मेडल चूकीं

पेरिस. एजेंसी

पेरिस ओलिंपिक का 8वां दिन भारत के लिए निराशाजनक रहा। शनिवार को 3 भारतीय खिलाड़ियों से मेडल की उम्मीद थीं, लेकिन ये पूरी नहीं हो पाई। विमेंस शूटिंग में शनिवार को 25 मीटर विमेंस पिस्टल का फाइनल हुआ। भारतीय शूटर मनु भाकर अपने तीसरे मेडल से चूक गईं। वे फाइनल में चौथे नंबर पर रहीं। मनु शूटऑफ में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली हंगरी की मेजर वेरोनिका से हारीं। 22 साल की मनु इसी ओलिंपिक में 2 ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं। वहीं, आर्चरी में दीपिका कुमारी इंडिविजुअल कैटेगरी में क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हारीं। उन्हें कोरिया की नैम सू योन ने 6-4 से हराया। फिर देर रात भारतीय बॉक्सर निशांत देव भी 71 किग्रा कैटेगरी का क्वार्टर फाइनल मैच हार गए हैं। उन्हें मैक्सिको के मार्को एलेंसो वेर्दे अल्वारेज ने 4-1 से हराया।

बैडमिंटन में लक्ष्य का सेमीफाइनल विक्टर एक्सेलसन से होगा

लवलीना आज जीतीं, तो पेरिस ओलंपिक में चौथा मैडल पक्का

पेरिस, एजेंसी

पेरिस ओलंपिक के 8वें दिन भारत को आर्चरी और शूटिंग में 2 मैडल की उम्मीद थी, लेकिन ये पूरी नहीं हो पाई। विमेंस शूटिंग में शनिवार को 25 मीटर विमेंस पिस्टल में मनु चौथे स्थान पर रही। आर्चरी में दीपिका कुमारी इंडिविजुअल कैटेगरी में क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हारीं। उन्हें कोरिया की नैम सू योन ने 6-4 से हराया। पेरिस ओलंपिक में भारत ने अब तक 3 पदक जीते हैं। ये सभी पदक निशानेबाजी में आए हैं। ओलंपिक के इतिहास में यह पहली बार है, जब भारत ने निशानेबाजी में 3 पदक जीते हैं। अब 4 अगस्त को मुक्केबाजी, बैडमिंटन, शूटिंग, हॉकी, सेलिंग और एथलेटिक्स में भारत के खिलाड़ी खेलते हुए नजर आएंगे। देर रात 12:14 बजे हुए मुकाबले में बॉक्सर निशांत देव को 71चत्त कैटेगरी में मैक्सिको के मार्को एलेंसो वेर्दे अल्वारेज ने हरा दिया। रोमांचक मुकाबले में भारत के निशांत देव पहले 2 बाउट में आगे चल रहे थे, लेकिन आखिरी बाउट में मार्को एलेंसो वेर्दे ने शानदार मुकाबला खेला और जीत हासिल की। इसी के साथ भारत की बॉक्सिंग मेंस इवेंट में मेडल की उम्मीद समाप्त हो गई। विमेंस बॉक्सिंग में लवलीना बोरगेहन अगर जीततीं हैं तो वे सेमीफाइनल में जाएंगी। वहीं लक्ष्य सेन अपना सेमीफाइनल मुकाबला जीतकर मेडल पक्का करना चाहेंगे।

इन खेलों में भी भारतीय खिलाड़ी उतरेंगे

निशानेबाजी में 25 मीटर मेंस पिस्टल के क्वालिफिकेशन मुकाबले में दोपहर 12:30 बजे विजयवीर सिद्धू और अनीश भानवाला खेलते हुए नजर आएंगे। एथलेटिक्स में 3000 मीटर स्टीपलचेज के क्वालिफिकेशन राउंड-1 में पारुल चौधरी नजर आएंगी। यह गेम दोपहर 1:35 बजे शुरू होगा। पुरुषों के लॉन्ग जंप क्वालिफिकेशन में जेसविन एल्ड्रिन दोपहर 2:30 बजे खेलेंगे। सेलिंग में 3:35 बजे विष्णु श्रवण और शाम 6:05 बजे नेत्रा कुमानन खेलते हुए नजर आएंगी। ये 7वां और 8वां रेस होगा।

ओलिंपिक के आठवें दिन की हाइलाइट्स

दीपिका विमेंस इंडिविजुअल कैटेगरी का क्वार्टर फाइनल में हारीं। भजन कौर राउंड ऑफ-16 में बाहर हो गईं। शूटिंग में मनु भाकर 25 मीटर पिस्टल में चौथे स्थान पर रहीं। अनंत जीत सिंह नरूका मेंस स्कीट क्वालिफिकेशन में 24वें नंबर पर रहे। दीपिका कुमारी क्वार्टर फाइनल में कोरिया की नैम सू योन ने 6-4 से हार गई। महेश्वरी व रायजा स्कीट राउंड-2 के बाद टॉप-6 से बाहर।

लक्ष्य सेन खेलेंगे सेमीफाइनल मुकाबला

भारतीय स्टार शटलर लक्ष्य सेन अपना सेमीफाइनल मुकाबला डेनमार्क के दिग्गज खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन के खिलाफ दोपहर 3:30 बजे खेलेंगे। अगर लक्ष्य यह मुकाबला जीत जाते हैं तो भारत का सिल्वर मेडल पक्का हो जाएगा। अगर वह हारते हैं तो उन्हें ब्रॉन्ज के लिए मुकाबला खेलना होगा। अपने पिछले मैच में लक्ष्य ने कमाल का खेल दिखाया था और चाइनीज ताइपे के चू टिन चेन को 2-1 से हराया था। वे सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय मेंस खिलाड़ी बने थे।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

मशहूर सिंगर किशोर कुमार की आज बर्थ एनिवर्सरी

'ये दोस्ती...' से 'तेरे जैसा यार कहां...' तक, दोस्ती पर आधारित हैं किशोर के ये गाने

अपने दौर के मशहूर सिंगर किशोर कुमार की आज 4 अगस्त को बर्थ एनिवर्सरी है। वे आज इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज आज भी गूंजती है और गूंजती रहेगी। आज भी उनके गाने बड़े चाव से सुने जाते हैं। किशोर कुमार ने करीब 1500 फिल्मों में गाने गाए। अपनी सुरीली आवाज से न सिर्फ उन्होंने मोहब्बत और रूमानियत वाले गाने गए, बल्कि दोस्ती के भी ऐसे गाने गाए जो दोस्ती की मिसाल पेश करते हैं। आज किशोर कुमार की बर्थ एनिवर्सरी पर संयोग से फ्रेंडशिप डे भी है। तो चलिए जानते हैं उन्होंने दोस्ती पर कौन से गाने गाए... फिल्म नमक हराम वर्ष 1973 में रिलीज हुई थी। यह गाना अमिताभ बच्चन और राजेश खन्ना पर फिल्माया गया है। बोल हैं, दिए जलते हैं फूल खिलते हैं, बड़ी मुश्किल से मगर दुनिया में दोस्त मिलते हैं...। दोस्ती के दिन यह गाना आपको अपने जिगरी दोस्त की याद दिला ही देगा। फिल्म शोले में धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन जिगरी यार की भूमिकाओं में हैं। इस गाने में भी उनकी दोस्ती को खूबसूती से दिखाया गया है। गाना दोनों दिग्गज सितारों पर फिल्माया गया है। ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंडे गाने को किशोर कुमार और मन्ना डे ने गाया है और दोनों दिग्गज सितारों पर इसे फिल्माया गया है। इसका संगीत आरडी बर्मन ने दिया और गाने के बोल आनंद बक्शी के हैं। आज भी दोस्ती पर गानों के मामले में यह गाना टॉप पर रहता है। बने चाहे दुश्मन जमाना हमारा फिल्म- दोस्ताना वर्ष 1980 में आई फिल्म दोस्ताना का यह गाना किशोर कुमार और मोहम्मद रफी ने गाया। इस फिल्म के बोल आनंद बक्शी ने लिखे हैं। इसका म्यूजिक लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने कंपोज किया। गाना शत्रुघ्न सिन्हा, अमिताभ बच्चन और जीनत अमान पर फिल्माया गया है। दोस्ती के गानों में यह भी गाना सदाबहार है। कुरबानी कुरबानी यह गाना वर्ष 1980 में आई फिल्म कुर्बानी का है।

'वीरजारा' में ज्यादा स्क्रीन टाइम चाहते थे मनोज बाजपेयी, किया था गेस्ट रोल

मनोज बाजपेयी ने हालिया इंटरव्यू में फिल्म वीर जारा में काम करने के एक्सपीरियंस को शेयर किया है। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में उनका रोल बहुत छोटा था, जिसकी शूटिंग उन्होंने 4 दिन में ही पूरी कर ली थी। हालांकि यश चोपड़ा जैसे डायरेक्टर के साथ काम करना उनके लिए बड़ी उपलब्धि थी। एक इंटरव्यू में मनोज बाजपेयी ने फिल्म वीर जारा में काम करने के अपने एक्सपीरियंस को शेयर किया है। उन्होंने यह भी बताया कि यश चोपड़ा ने उन्हें फिल्म में जारा (प्रीति जिंटा) के मंगतेर के रोल के लिए क्यों चुना। मनोज ने कहा, %वीर जारा में काम करने का एक्सपीरियंस अच्छा रहा है। लेकिन सच्चाई यह है कि मैंने फिल्म के लिए 3 दिन दिल्ली में और फिर एक दिन अमृतसर में शूटिंग की थी। इस तरह सिर्फ 4 दिन में मैंने फिल्म की शूटिंग पूरी कर दी थी। फिल्म में मेरा गेस्ट रोल था। हालांकि यश चोपड़ा और उनकी टीम ने मुझे बहुत सम्मान दिया था। मैं बस इस बात से खुश था कि यश चोपड़ा जैसे डायरेक्टर ने मुझे डायरेक्ट किया है। मैं हमेशा इस बात की खुशी मनाऊंगा। मनोज ने आगे कहा, यश चोपड़ा फिल्म में मेरे रोल के बारे में मुझसे बहुत ईमानदार थे। उन्होंने कहा था- यह वह रोल है जो मेरे पास तुम्हारे लिए है। मैं ज्यादातर रोमांटिंग फिल्में बनाता हूं, लेकिन जब मुझे इस रोल के लिए कलाकारों का चयन करना था, तो मैं केवल तुम्हारे बारे में सोच रहा था। मनोज ने बताया कि फिल्म पिंजर में उनका काम देखकर यश चोपड़ा ने उन्हें फिल्म वीर जारा में कास्ट किया था।

मनोज बोले- फिल्म में मेरे और सीन्स होने चाहिए थे: नोज ने फिल्म वीर जारा के बारे में फीडबैक देते हुए कहा, मुझे पता है कि यह एक प्रेम कहानी थी। फिल्म के लीड एक्टर और एक्ट्रेस पर ज्यादा ध्यान दिया गया था। लेकिन मेरे किरदार को और भी ज्यादा ग्रे दिखाने के लिए इसमें और सीन्स को ऐड करना चाहिए था। फिल्म वीर जारा 20 साल पहले रिलीज हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी सफल रही थी। 2004 में यह हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्मों में से एक थी।

अभिनेता ने किया चौंकाने वाला खुलासा

जेसन बोले- भंसाली ने कई दृश्यों का निर्देशन नहीं किया

वेब सीरीज हीरामंडी से संजय लीला भंसाली ने ओटीटी की दुनिया में कदम रखा था। इस शो को दर्शकों ने खूब प्यार दिया। कई दिग्गज कलाकारों के बीच ब्रिटिश अधिकारी कार्टराइट की भूमिका निभाने वाले जेसन शाह ने भी अपने अभिनय से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा था। नकारात्मक भूमिका में उन्हें दर्शकों ने खूब पसंद किया था। इस बीच हाल ही में उन्होंने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। जेसन शाह ने एक पॉडकास्ट के दौरान खुलासा किया कि संजय लीला भंसाली ने उनके कई दृश्यों का निर्देशन नहीं किया। इसी वजह से उन्हें लगता है कि शो में उनकी क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं किया गया। अभिनेता के मुताबिक अगर उन्होंने अपने रचनात्मक मतभेदों को और अधिक व्यक्त किया होता, तो उन्हें शो के सेट पर समस्या पैदा करने वाला करार दे दिया जाता। अभिनेता ने कहा, वेब सीरीज में काम करने का मुझे पहली बार मौका मिला था। वेब सीरीज थोड़ी खींची हुई होती है। आपको बनाने के लिए बहुत सारे एपिसोड मिलते हैं और यह कम समय में नहीं बनता... वह उतना निर्देशन भी नहीं कर रहे थे। मेरे साथ दूसरे निर्देशक भी थे। मुझे लगा कि हम इस पर थोड़ा और काम कर सकते थे और मेरे किरदार के बहुत सारे रंग सामने आ सकते थे। मुझे लगता है कि इस किरदार में बहुत क्षमता थी। इंसाइड का माइंड विद रुषभ पॉडकास्ट में उन्होंने कहा कि हीरामंडी के सेट पर संचार की कमी थी। अभिनेता ने कहा कि अगर उन्हें किरदार में और अधिक ढलने का मौका मिलता तो वह अपने किरदार के साथ और भी बहुत कुछ कर सकते थे। अगर आप गांधी फिल्म को देखें तो बेन किंग्सले वास्तव में दिखाते हैं कि नस्लवाद कितनी दूर तक जा सकता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने निर्देशक के सामने अपनी चिंताएं व्यक्त कीं? इस पर जेसन ने हंसते हुए कहा कि मुझे लगता है कि मैंने काफी कुछ कह दिया है। अगर मैं और कुछ कहता समस्या पैदा करने वाला करार दिया जाता। इससे पहले जून में जेसन ने दावा किया था कि हीरामंडी के सेट पर सुख-सुविधाओं की कमी थी। उन्होंने कहा कि शूटिंग के दौरान उन्हें आत्मीयता का अभाव महसूस हुआ था।

महिमा चौधरी को प्यार में मिला था धोखा

एक्ट्रेस ने रंगे हाथ पकड़ा था, बोलीं- मेरे साथ अच्छा सलूक नहीं किया

एक्ट्रेस महिमा चौधरी शादी से पहले टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस के साथ रिलेशनशिप में थीं। उन्हें धोखा मिला और वो अलग हो गईं थीं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मॉडल रिया पिल्लई की वजह से पेस ने महिमा को धोखा दिया था। एक इंटरव्यू के दौरान महिमा ने कहा कि जब मुझे पता चला था कि उनकी जिंदगी में मेरे अलावा भी कोई और है तो उसे छोड़ने में ही अपनी भलाई समझी। वो एक बेहतरीन खिलाड़ी जरूर हैं, लेकिन उन्होंने मेरे साथ अच्छा सलूक नहीं किया। 'मिस मालिनी' को दिए इंटरव्यू में महिमा चौधरी ने लिएंडर पेस और अपने रिश्ते पर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा- लिएंडर पेस मेरे साथ ईमानदारी से नहीं रहे। जब मुझे चला कि वो किसी और को डेट कर रहे हैं तो मैं दंग रह गई। मेरे लिए सब कुछ मुश्किल था। फिर मैंने खुद को संभाल लिया और उसे छोड़ने में ही अपनी भलाई समझी। बताया जाता है कि महिमा चौधरी के साथ रिलेशनशिप में रहते हुए लिएंडर पेस एक्टर संजय दत्त की एक्स-वाइफ रिया पिल्लई से डेट करने लगे थे। हालांकि रिया के साथ भी लिएंडर पेस के रिश्ते ज्यादा दिन तक नहीं टिके। लिएंडर ने रिया को भी धोखा दिया और वे घरेलू हिंसा के दोषी पाए गए थे। बहरहाल, लिएंडर पेस से अलग होने क बाद महिमा ने बिजनेसमैन बॉबी मुखर्जी से साल 2006 में शादी कर ली थी। लेकिन 2011 में के बीच तलाक हो गया। दोनों की एक बेटी है, जिसका नाम अरियाना है। महिमा जल्द ही कंगना रनोट की फिल्म 'इमरजेंसी' में नजर आएंगी।

60 साल की बुजुर्ग महिला ने कुएं में कूदकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित सोनपुरा खजूरीकला में एक बुजुर्ग महिला ने कुएं में कूदकर जान दे दी। उसकी लाश शनिवार शाम करीब पांच बजे कुएं में मिली। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि उसने पारीवारिक कलह में आत्महत्या की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार हरिबाई पति खेमचंद अहिरवार (60) सोनपुरा, खजूरी कला में रहती थी। उनका परिवार खेती किसानी करता है। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे हरिबाई घर से बिना बताए निकल गई। इसके बाद घर नहीं लौटी। परिजन उनकी तलाश कर रहे थे। पर सुबह तक कुछ पता नहीं चल सका। परिजन ने थाने पहुंचकर हरिबाई की गुमशुदगी दर्ज कराई। परिजन और पुलिस हरिबाई की तलाश कर रहे थे। इस बीच शनिवार शाम करीब पांच बजे परिजन ने उनकी लाश गांव में ही एक कुएं में देखकर पुलिस को दी। पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी है।

बाइक सवार युवकों के साथ कार चालक ने की मारपीट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हबीबगंज इलाके में एक कार चालक ने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक सवार युवकों ने जब उसे ठीक से कार चलाने की समझाईश दी तो चालक और उसके साथियों ने दोनों युवकों के साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बोर्ड कालोनी हबीबगंज में रहने वाला पंकज (23) एक निजी अस्पताल में नौकरी करता है। गुरुवार की रात करीब साड़े 9 बजे वह अपने दोस्त अविनाश के साथ उसकी बाइक पर बैठकर छह नंबर चौपाटी से अस्पताल जा रहा था। सुभाष तिराहे के पास सात नंबर की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को साईड से टक्कर मार दी, जिससे दोनों बाइक समेत गिर पड़े। उन्होंने कार चालक को ठीक से कार चलाने की समझाईश दी तो कार चालक और उसके साथियों ने दोनों युवकों के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

युवक पर चाकू से किया हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अशोका गार्डन क्षेत्र में दो पपी को बेचने पर हुए विवाद में डेयरी संचालक पर तीन लोगों ने चाकू से हमला कर दिया। यह विवाद लेब्रोडोर प्रजाति के कुत्ते के दो पपी की खरीद-फरोख्त को लेकर हुआ था। पुलिस के अनुसार सेमरा निवासी प्रदीप ठाकुर (26) की कुछ दिन पहले शासन ने डेयरी तोड़ दी थी। उसने लेब्रोडोर जाति के डॉग भी पाल रखे थे। ठाकुर ने दो पपी अपने नौकर की डेयरी पर रखवा दिए थे। जहां नौकर ने दोनों को गौरव यादव को बेच दिए। सौदा छह हजार रुपए में तय हुआ था, लेकिन गौरव ने महज दो सौ रुपए दिए थे। ठाकुर गौरव को दो सौ रुपए देकर दोनों पपी वापस ले लिए। इस बात से बौखलाए गौरव ने अपने भाई हर्षि यादव और पिता लोकेश के साथ मिलकर प्रदीप ठाकुर की डेयरी पर हमला कर दिया। उस समय वहां प्रदीप का भाई मन्नू ठाकुर मौजूद था। पिता-पुत्रों ने मन्नू के साथ मारपीट कर उसके सिर पर चाकू से वार कर दिया।

हत्या के बाद आत्महत्या का अनुमान, पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का कर रही इंतजार

कोलार पुलिस ने भाई बहन का शव पीएम के बाद परिजन को सौंपा, हत्या और आत्महत्या दोनों एंगलों पर की जा रही जांच

मां के निधन के बाद पंकज पर आ गई थी बुजुर्ग पिता व दिव्यांग बहन की जिम्मेदारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। सभी लोग मुझे माफ करना, मेरा समय पूरा हो चुका है। मां की मौत से दुखी हूं। ऐसा ही कुछ सुसाइड नोट में लिखने के बाद पंकज ने फांसी लगा ली। पंकज आर्टिस्ट था और वह चित्रकारी के साथ मूर्तियां भी बनाता था। तीन महीने पहले हुए मां के निधन के बाद से वह दुखी था। उस पर दिव्यांग बहन के अलावा बुजुर्ग पिता की जिम्मेदारी थी। परिजन से प्राथमिक पूछताछ में पता चला कि मां के निधन के बाद पंकज परेशान रहने लगा था। वह बातचीत भी कम करता था।

पिता रहते हैं बेड रेस्ट पर

50 साल के पंकज के पिता महेश मालवीय 85 साल के हैं। काफी बुजुर्ग होने के कारण वे बेड पर ही रहते थे। जबकि बहन सुनीता मालवीय (55) दिव्यांग थी। जन्मजात दिव्यांग सुनीता अपने काम काज स्वयं करती थी, लेकिन उसे कुछ कामों में सहारे की जरूरत पड़ती थी। मां थी तो वह सुनीता की मदद किया करती थी, लेकिन मां के निधन होने के बाद सुनीता के साथ पिता की देखरेख का जिम्मा पंकज पर था।

हत्या का अनुमान, पीएम रिपोर्ट का इंतजार

निरीक्षण करने और सुसाइड नोट से पुलिस को अनुमान है कि पंकज ने पहले बहन सुनीता मालवीय की दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या की है। इसके बाद फांसी लगाकर खुद भी आत्महत्या कर ली। सुसाइड नोट में उसने लिखा सभी लोग मुझे माफ करना, मेरा समय पूरा हो चुका है। मां की मौत से दुखी हूं। कि मां की मौत से दुखी हूं। जिंदगी जीने का मन नहीं है अपनी मर्जी से जान दे रहा हूं। पुलिस ने दोनों शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिए है। परिजन ने सनखेड़ी स्थित विश्राम घाट में दोनों अंतिम संस्कार भी कर दिया।

भाई प्रफुल्ल और शीतल रहते हैं अलग

पंकज मालवीय के परिवार में एक भाई और बहन और हैं। भाई प्रफुल्ल नेहरू नगर में रहते हैं, जबकि बहन शीतल मालवीय बीमाकुंज में रहती हैं। घटना की जानकारी मिलते ही वह क्वालिटी होम्स पहुंच गए थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि मां की मौत से पूरा परिवार दुखी था। उन्हें अनुमान नहीं था कि पंकज आत्मघाती कदम उठा लेगा। उल्लेखनीय है कि पंकज मालवीय पिता महेश प्रसाद मालवीय (50) क्वालिटी होम्स, कोलार रोड में रहते थे। उनके साथ माता पिता और 55 साल की दिव्यांग बहन सुनीता मालवीय रहती थी। मां की मौत करीब तीन महीने पहले हो चुकी है। फिलहाल घर में 85 साल के बुजुर्ग पिता के साथ बहन भाई रह रहे थे। शनिवार सुबह 9 बजे के आसपास पिता महेश प्रसाद मालवीय टायलेट गए थे। वहां से फ्रेश होने के बाद किचन में पहुंचे तो किचन में बेटी सुनीता का शव पड़ा देखा उसके गले में दुपट्टा लिपटा हुआ था। वे बेटे को बताने के लिए उसके कमरे में पहुंचे तो उनके होश उड़ गए। बेटा पंकज भी फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। उन्होंने घटना की जानकारी पड़ोसियों को दी थी।

खिड़की की ग्रिल काट घर में घुसे बदमाश 10 हजार नगदी व स्पोर्ट्स बैग चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शाहजहांनाबाद में रहने वाले एक व्यवसायी के घर की खिड़की की ग्रिल काटकर 3 बदमाश अंदर घुस गए। व्यवसायी की पत्नी के शोर मचाने पर परिवार वालों की नींद खुली तो बदमाश वहां से भाग निकले। बाद में चेक किया तो भतीजे के कमरे में रखा स्पोर्ट्स बैग और 10 हजार रुपए नकदी समेत अन्य सामान नहीं था। पुलिस ने केस दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार राजेश मोटवानी (54) ईदगाह कोठी फिल्टर प्लांट के पास शाहजहांनाबाद में रहते हैं और एमपी नगर में प्लाई बोर्ड का व्यवसाय करते हैं। गुरुवार की रात करीब दस बजे वह दुकान से घर पहुंचे और परिवार के साथ भोजन करने के बाद सो गए। रात करीब सवा तीन बजे घर के अंदर खटपट की आवाज सुनकर उनकी पत्नी की नींद खुली तो उन्होंने शोर मचाना शुरू किया। शोर सुनकर परिवार के सारे लोगों की नींद खुल गई। पूछने पर पत्नी ने बताया कि 3 लोग घर के अंदर घुसे हुए थे और शोर मचाने पर मेन गेट से बाहर की तरफ भाग निकले. घरवालों ने चैक किया तो बाउंड्रीवॉल की तरफ लगी खिड़की की ग्रिल कटी मिली। इसके साथ ही राजेश के भतीजे के कमरे में रखा उसका स्पोर्ट्स बैग, 10 हजार रुपए नकद और बाक्सिंग ग्लब्स समेत अन्य सामान नहीं था। उस वक्त पूरा परिवार काफी डर गया था। सुबह होने पर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी और बाद में थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

छात्र की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार सीने में पेंचकस मारकर की थी हत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीटी नगर पुलिस ने गुरुवार देर रात स्कूली छात्र की हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने आपसी विवाद के कारण छात्र के सीने में पेंचकस घोंपकर उसकी हत्या कर दी थी। दोनों के बीच गुरुवार दोपहर भी विवाद हुआ था, लेकिन पुलिस ने समझाईश देकर मामले को शांत करवा दिया था। थाना प्रभारी मनोज पटवा ने बताया कि बृजकांत पांडे पिता बृजलोचन पांडे (16) अर्जुन नगर मल्टी में रहता था और नौवीं कक्षा में पड़ता था। गुरुवार देर रात उसे इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल ले जाया गया था। वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया था। उसके सीने में नुकीले हथियार से वार किया गया था। मर्ग जांच के दौरान घटनास्थल के चश्मदीद साक्षियों के कथन लिए गए, जिन्होंने बताया कि रात करीबन 10 बजे शीला किराना स्टोर के सामने अर्जुन नगर फेस-1 में आशीष बाथम उर्फ सोनू भेड़ा ने मृतक बृजकांत पांडे उर्फ लल्ला को जान से मारने की नियत से सीने में चाकू जैसी कोई नुकीली चीज वार किया था, उसके बाद फरार हो गया है।

चश्मदीद साक्षियों के कथन और घटनास्थल पर मिले भौतिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपी आशीष बाथम उर्फ सोनू भेड़ा के खिलाफ पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया था। पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के बाद आरोपी आशीष बाथम उर्फ सोनू भेड़ा (27) निवासी अर्जुन नगर फेस-1 थाना टीटी नगर को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से वारदात में प्रयुक्त एक पेंचकस जब्त किया गया है।

सम्मेलन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। ब्रह्मकुमारी आश्रम में मीडिया सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सिग्नल पर खड़ी कार को स्कूल बस ने मारी जोरदार टक्कर

भोपाल। भोपाल टाकीज स्थित ट्रैफिक सिग्नल पर खड़ी कार को स्कूल बस ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई, लेकिन कार को काफी नुकसान पहुंचा. पुलिस के मुताबिक सतीश जनार्दन (56) करारिया फार्म स्टेशन बजरिया में रहते हैं और रेलवे में सीनियर टेक्नीशियन हैं। शुक्रवार की शाम करीब साड़े पांच बजे वह अपने परिवार के साथ कार से शाहजहांनाबाद से बस स्टैंड की तरफ जा रहे थे। भोपाल टाकीज चौराहा स्थित रेड सिग्नल पर उन्होंने अपनी कार रोकी तो पीछे चल रही स्कूल बस ने कार में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार का पिछला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

मंदिर की दानपेटी से 70 हजार रुपए चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। गांधी मार्केट पिपलानी स्थित गणेश मंदिर की दानपेटी से चोर करीब 70 हजार रुपए चोरी कर ले गए। बदमाशों ने चैनल गेट की पट्टी को फैलाकर भीतर प्रवेश किया था। पुलिस के मुताबिक विनोद प्रकाश (39) शिवलोक फेस-3 खजूरीकला रोड पर रहते हैं और भेल कारखाने में नौकरी करते हैं। वह गांधी मार्केट पिपलानी स्थित गणेश मंदिर के सचिव भी हैं। विनोद ने पुलिस को बताया कि गुरुवार की रात करीब साड़े आठ बजे वह मंदिर के चैनल गेट का ताला लगाकर घर चले गए थे। शुक्रवार सुबह करीब सात बजे आकर देखा तो चैनल की पट्टी फैली हुई मिली और अंदर रखी दानपेटी नहीं थी। दानपेटी के अंदर करीब 70 हजार रुपए रखे हुए थे।

मेट्रो एंकर

पत्नी को वाइस मैसेज कर पति ने लगाई फांसी

पत्नी पुलिस को लेकर पहुंची घर तो फंदे पर लटकी मिली लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित लक्ष्मी परिसर फेस-1 में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। आत्महत्या से पूर्व उसने पत्नी को वाट्सएप्प पर वाइस मैसेज भेजा था। पत्नी अयोध्या नगर से शाहपुरा पहुंची तो पति फांसी लगा चुका था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार प्रवीण विश्वकर्मा पिता गोविंद विश्वकर्मा (32) लक्ष्मी परिसर फेस-1, शाहपुरा में किराए के मकान में रहता था। इन दिनों वह बेरोजगार था। पत्नी से उसकी आए दिन कहासुनी होती थी। इसी से दुखी होकर पत्नी करीब दो महीने से अयोध्या नगर स्थित अपने मायके में रह रही थी। वह अपने साथ बच्चे को भी लेकर गई थी। शनिवार सुबह करीब साड़े 5 बजे प्रवीण ने पत्नी निधि के वाट्सएप्प पर वाइस मैसेज भेजा था। पत्नी ने वाइस मैसेज सुना और वह घबरा गई। प्रवीण ने वाइस मैसेज में कहा था कि मैं बहुत परेशान हो गया हूं और आत्महत्या कर रहा रहूं। तुम मम्मी पापा और बच्चे की ठीक से देखरेख करना। निधि ने परिजन और रिश्तेदार को घटना की जानकारी दी। इसके बाद शाहपुरा थाने पहुंची थी। शाहपुरा पुलिस निधि को लेकर लक्ष्मी परिसर पहुंची तो घर का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने दरवाजे के बगल की खिड़की खोलकर दरवाजे की कुंदी खोल ली। अंदर कमरे में पहुंचने पर पता चला कि प्रवीण ने फांसी लगा ली है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला था। पुलिस ने प्रवीण का मोबाइल जब्त किया है।

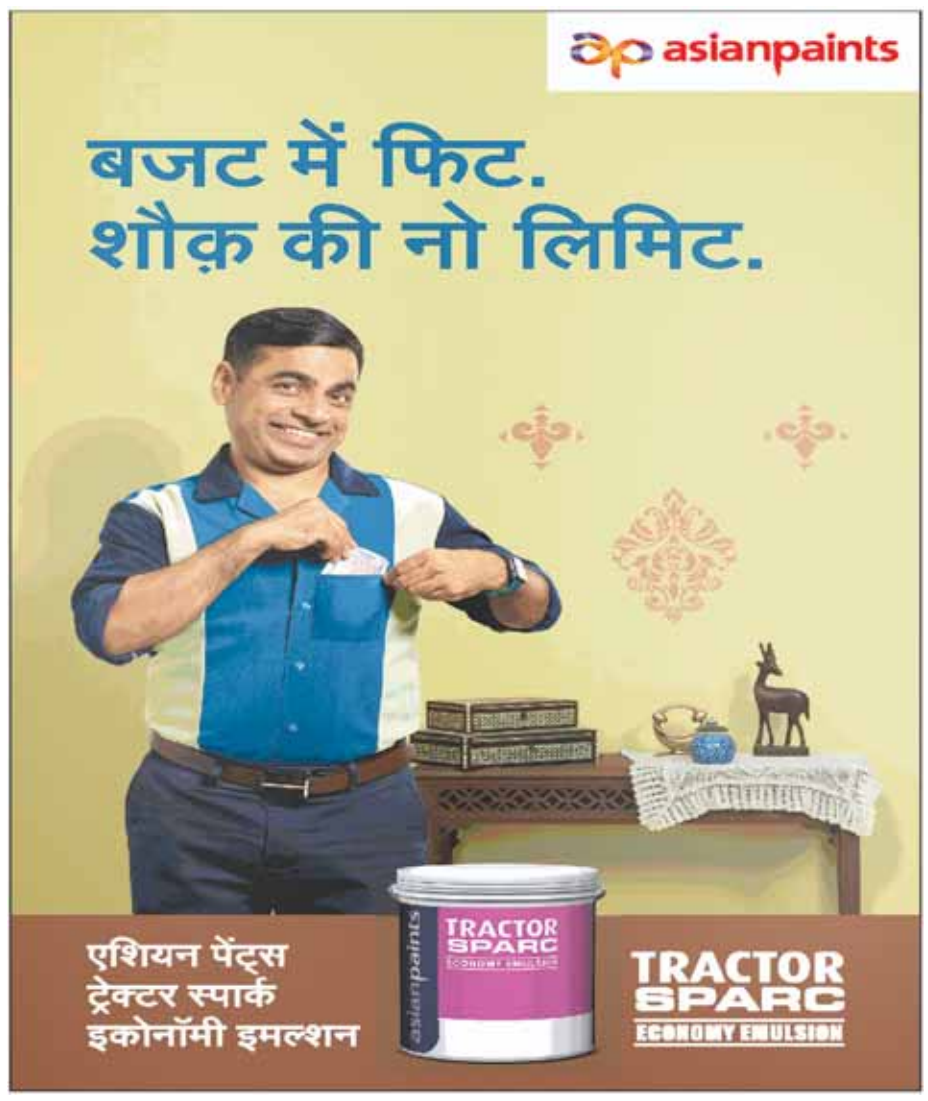

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022